शिक्षण की संदर्शिका व अध्याय

हाथी कभी नहीं भूलते

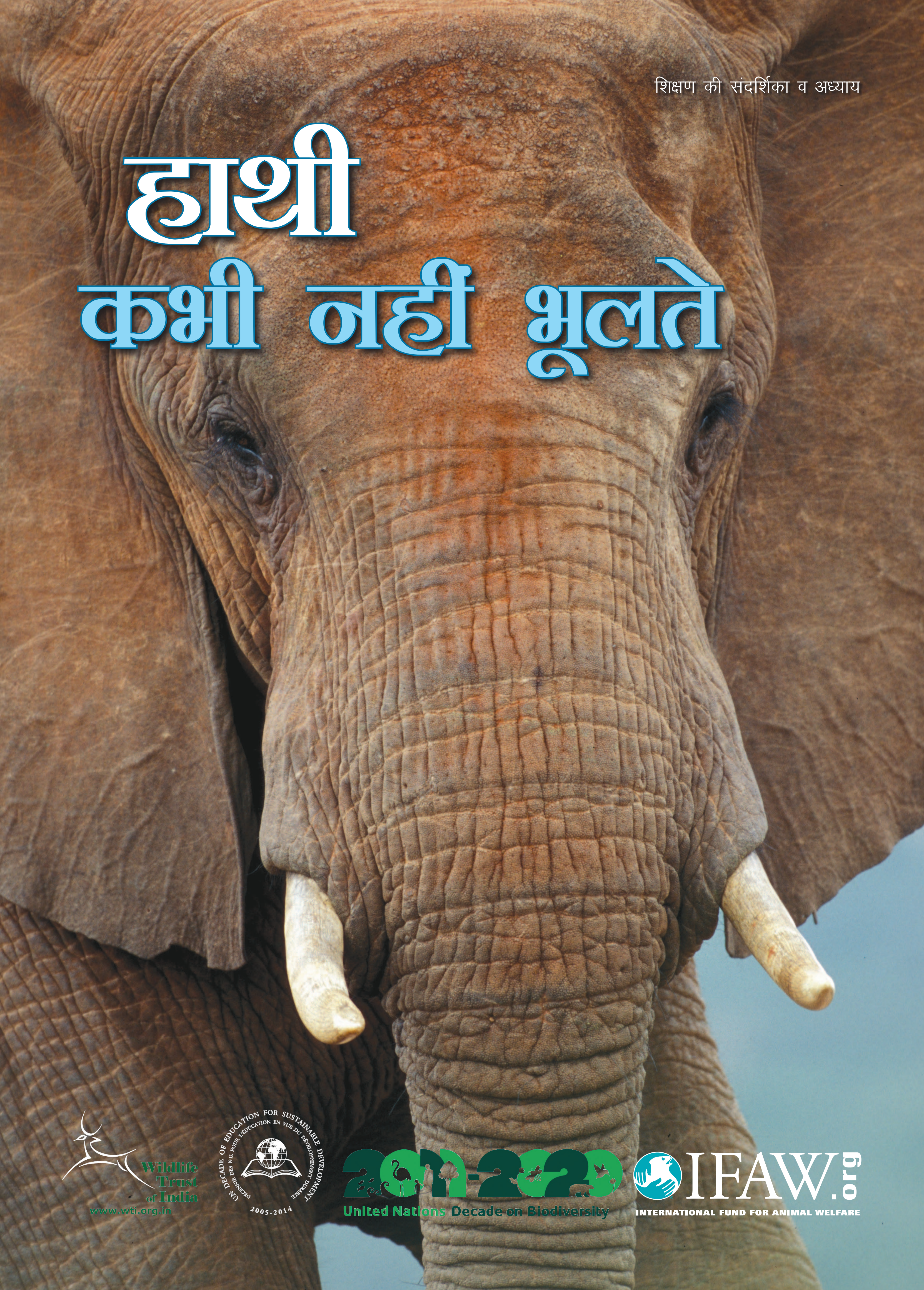

Wildlife Trust of India
www.wti.org.in

UN DECADE OF EDUCATION FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT
DÉCENNIE DES NU POUR L'ÉDUCATION EN VUE DU DÉVELOPPEMENT DURABLE
2005-2014

2011-2020
United Nations Decade on Biodiversity

IFAW.org
INTERNATIONAL FUND FOR ANIMAL WELFARE

सीखने का उद्देश्य

इस कार्यक्रम के विभिन्न अध्याय/पाठ विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, भाषा व कला के अध्ययन में सहायता करेंगे। कार्यक्रम के अन्य उद्देश्यों के अलावा छात्र जीव विज्ञान की अवधारणाएं सीखेंगे, सार्थक अध्ययन व कैसे काम करना है, इस अवधारणा को समझेंगे, अभिनय का संचालन करना, सार्वजनिक अभिव्यक्ति व अन्य ऐसी गतिविधियां सीखेंगे, जिनसे किसी मुद्दे की समझ बढ़ती है व उस पर विभिन्न विचार व परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करने का प्रोत्साहन मिलता है।

स्रोत

पठन सामग्री: हाथी, कभी नहीं भूलते

3 परिचय
4 विशालता सिर्फ शुरुआत है।
5 हाथी की महत्वपूर्ण भूमिका
6 विचरण के लिए जगह
7 हाथी और हम
8 हाथी के साथ दिक्कतें
9 हाथियों को बचाना/ का संरक्षण
10 शब्दावली

पाठ्य योजना व वर्कशीट

11 अध्याय 1: जानकारी देना–वीडियो व पाठ्य सामग्री
12 वर्कशीट1: देखने/पढ़ने के लिए दिशानिर्देश
13 वीडियो क्विज़/प्रश्नोत्तरी
14 अध्याय 2: आवास लुप्त हो जाना–अनुकरण व अभिनय
15 अध्याय 3: पारिस्थितिक/पर्यावरणीय संबंध
16 अध्याय 4: विवरण पर प्रतिक्रिया करना
17 वर्कशीट 2 : हाथियों का बचाव
18 अध्याय 5: संकटग्रस्त अन्य प्राणियों से तुलना/सादश्ष्यता
19 पाठ 6: किन्हें इसकी ज्यादा जरूरत है?
20 हैंडआउट/प्रपत्र : समाचार पत्र के लिए काल्पनिक कथा

कंपैनियन डीवीडी/सहयोग के लिए डीवीडी

यह शैक्षणिक वीडियो लगभग 18 मिनट का है और सामान्य बाल दर्शकों के लिए उपयुक्त है। इस डीवीडी में कार्यक्रम की तमाम सामग्री के पीडीएफ डॉक्यूमेंट भी हैं।

ऑनलाइन स्रोत

आईएफएडब्लू–डब्लूटीआई के एनिमल एक्शन एजुकेशन प्रोग्राम के पास वन्यजीवों व पर्यावरण संबंधी जानकारी के लिए तमाम साधन हैं; हमारा फेसबुक ग्रुप जॉयन करें, ट्विटर पर हमें फॉलो करें या हमारे न्यूज लैटर के लिए साइन अप करें www.wti.org.in http://www.wti.org.in/project-in-focus/animal-action-education-2011.html से हमारे एक्टिविटी पैक व फॉर्म डाउनलोड करें।

वन्यप्राणियों के लिए की जा रही कार्रवाई/कार्य संबंधी शिक्षा

अंतरराष्ट्रीय वन्य प्राणी कोश (आईएफएडब्लू) प्रति वर्ष वन्य प्राणियों व पर्यावरण पर केंद्रित एक नया शिक्षा कार्यक्रम चलाता है। षैक्षणिक सामग्री स्थानीय स्तर पर रूपांतरित कर 15 देशों में निःषुल्क वितरित की जाती है, जो प्रति वर्ष दुनिया भर के 50 लाख बच्चों/युवाओं तक पहुंचती है। इस कार्यक्रम व अन्य कार्यक्रमों के तमाम स्रोत www.ifaw.org/education पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं। आईएफएडब्लू, भारत में इसके सहयोगी डब्लूटीआई व एनिमल एक्षन एजुकेषन प्रोग्राम के बारे में अन्य जानकारी के लिए aae@wti.org.in पर ई मेल करें या डब्लूटीआई के ऑफिस 01204143900 पर फोन करें या 01204143933 पर फैक्स करें।

IFAW.org
INTERNATIONAL FUND FOR ANIMAL WELFARE

इस कार्यक्रम का उपयोग कैसे करें

हाथी: कभी नहीं भूलते का मकसद है छात्रों को जंगली हाथियों व हमारी इस साझी दुनिया में उनकी विषिश्ट भूमिका के बारे में जानकारी देना, जिसमें जैव विविधता, प्राकृतिक आवास व पर्यावरण के विशय षामिल हैं, साथ ही वे मुद्दे तथा चुनौतियां भी, जिनका हाथी सामना करते हैं। इस कार्यक्रम को किस तरह पढ़ाया जाए इसके लिए एक संभावित पद्धति:

1. विशय का परिचय व सामग्री की जानकारी तैयार करना

वीडियो(डीवीडी पर), अध्याय योजना 1, वर्कषीट 1, वीडियो क्विज

अ. वीडियो देखना

पृश्ठभूमि तैयार करने के लिए व छात्रों की हाथियों के बारे में पहले की जानकारी को फिर से याद दिलाने के लिए अपनी कक्षा के साथ वीडियो देखें। वीडियो देखते हुए छात्र वर्कशीट1 का प्रयोग कर सकते हैं, ताकि महत्वपूर्ण षब्दावली के आधार पर पृश्ठभूमि तैयार की जा सके। वीडियो देखने के बाद छात्र एक छोटा सा वीडियो क्विज या प्रष्नोत्तरी खेल सकते हैं और जो कुछ उन्होंने सीखा उस पर विचार–विमर्ष कर सकते हैं।

ब. पाठ्य सामग्री पढ़ें

इस गाइड की पाठ्य सामग्री पढ़ने के लिए छात्रों को तैयार करने के लिए अध्याय 1 के सुझावों का प्रयोग करें। छात्र पढ़ते हुए वर्कशीट 1 पर महत्वपूर्ण षब्दावली से संबंधित जानकारी नोट कर सकते हैं।

2. पाठ में दी गई गतिविधियों का संचालन

षिक्षण की संदर्षिका: पाठ्य सामग्री के पृश्ठ, अध्याय योजना व कार्यषाला

- अध्याय 2 प्राकृतिक आवास नश्ट हो जाने की अवधारणा को समझने व हाथियों के प्रति समानुभूति जगाने पर संकेंद्रित है।
- अध्याय 3 में वे गतिविधियां हैं, जो जैव विविधता व अपने परिवेष में हाथियों व अन्य प्रजातियों के बीच पारस्परिक प्रभाव को समझने में मदद करेंगी।
- अध्याय 4 व वर्कषीट 2 हाथियों को बचाने का एक किस्सा व इसके अलावा लिखित, अभिनय आधारित व विचार विमर्ष पर आधारित विभिन्न गतिविधियां हैं।
- अध्याय 5 पाठ्य सामग्री में वर्णित विशयों पर विचार करने के लिए छात्रों का मार्गदर्षन करता है, ताकि वे हाथियों पर मंडराने वाले खतरों को वर्गीकृत कर सकें व वन्य जीवों की दूसरी प्रजातियों के खतरों की इन खतरों से तुलना कर सकें।
- पाठ 6 व समाचार संबंधी हैंडआउट बताता है कि खास तरह की मानवीय गतिविधियों से पर्यावरण किस तरह प्रभावित हुआ हैं। छात्रों ने जानकारी पर आधारित पाठ्य सामग्री से जो कुछ सीखा है उसे समझने व उसके बारे में संवाद करने में अपने पढ़ने के कौषल व युक्ति का प्रयोग करेंगे।

3. जो कुछ सीखा है, उसे और आगे बढ़ाना व उस पर काम करना।

षिक्षण के दिषानिर्देषक अध्याय के अलावा कुछ और भी: परस्पर संवाद के लिए ऑनलाइन पोस्टर, टेक एक्षन फॉर एलिफेंट, हाथी संबंधी षिल्प व गतिविधियां।

छात्रों ने जो कुछ सीखा है उसे सुदृढ़ करने के लिए पाठ में दिए वैकल्पिक सुझावों को गृहकार्य या अतिरिक्त प्रोजेक्ट की तरह इस्तेमाल करें।

नियम बनाने के लिए गतिविधियां

विचार–विमर्ष के दौरान कुछ तीखे विचार व भावनाएं व्यक्त हो सकती हैं, इसलिए बहुत से अध्यापक व छात्र अपनी कक्षा में पहले ही कुछ नियम बना लेते हैं, ताकि भिन्न विचारों को सकारात्मक भाव से सुनने, उनका सम्मान करने व संवेदनषीलता प्रकट करने को प्रोत्साहन मिले।

कक्षा को दो–दो के जोड़े बनाने को कहें। इसके बाद सवाल पूछें: 'लोग मेरे साथ कैसे व्यवहार करें कि मुझमें आत्मविष्वास आए व मैं उनसे वे बातें सहज हो कर कह सकूं जो वाकई मेरे लिए मायने रखती हैं? '

जोड़ों को कहें कि वे 6–6 के समूह बना कर आपस में विचार–विमर्ष करें। उन्हें ऐसे व्यवहार की सूची बनाने को कहें, जिन्हें वे सभी समझते हों व जिस पर सबकी आपसी सहमति हो। इस सूची में ये व्यवहार षामिल हो सकते हैं

1. वे मुझे सुनें
2. वे हंसें नहीं
3. मैं जो दूसरे छात्रों से कहूं, उस पर वे चिल्लाएं नहीं

पूरी कक्षा को एकत्र कर हर समूह से उसकी सूची सुनें–एक व्यवहार एक बार में। देखें कि पूरी कक्षा इस बात को समझ रही है और इससे सहमत है। केवल वही व्यवहार नोट करें, जिसे सबने स्वीकार किया है और समझा है। समूह को स्पश्ट व्यवहार की पहचान की ओर ले जाएं न कि विस्तृत अवधारणाओं की ओर। सूची को कक्षा में इस तरह प्रस्तुत करें कि हर छात्र समूह में अपने कार्य का उत्तरदायित्व लेने को प्रोत्साहित हो।

© IFAW 2011 • Front cover images: © IFAW/D. Willetts; © Tom Munro/JBG Photo

हाथी कभी नहीं भूलते

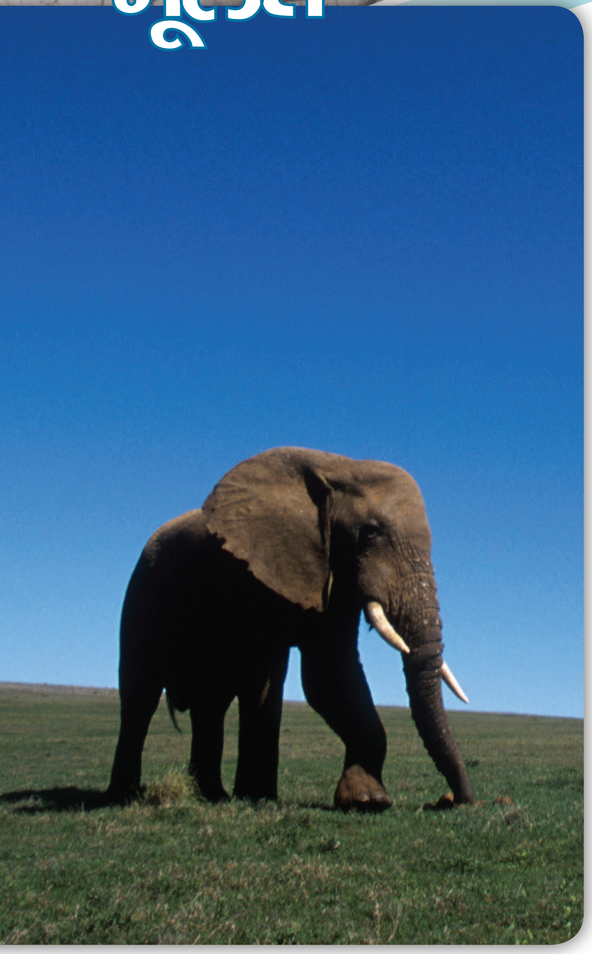

© IFAW/J. Hrusa

हाथी कभी नहीं भूलते

हाथी बड़े होते हैं—वाकई बड़े। वे इस धरती के जानवरों में सबसे बड़े हैं। वे बहुत चतुर व संवेदनशील भी होते हैं। उनकी याददाश्त भी बहुत अच्छी होती है—वे अपने रिश्तेदारों को लंबे समय तक याद रख सकते हैं। अपने परिवार की देखभाल करते हैं और जब उनके किसी अपने की मृत्यु हो जाती है, तो वे उदास दिखाई देते हैं। ये जानवर बेहद सशक्त व स्वस्थ होते हैं। अब ये भी खतरे में हैं। आज जंगली हाथियों के बहुत से झुंड अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

हजारों साल पहले, विशाल हाथियों की तरह के स्तनपायी जिन्हें अमेरिकी मैस्टोडोन्स व बालोंवाले विशालकाय हाथी कहा जाता है, इस धरती पर घूमा करते थे। आजकल के हाथियों के ये पुरखे अब धरती से विलुप्त हो गए हैं।

आज हाथियों के दो प्रमुख समूह हैं—अफ्रीकन व एशियन। उनके बीच में अंतर करना काफी आसान है। वैज्ञानिकों ने यह भी खोज निकाला है कि अफ्रीकी हाथियों की भी दो भिन्न प्रजातियां हैं—जंगली हाथी और सवान्नाह हाथी। सवान्नाह हाथी जंगली हाथियों से आकार में बड़े होते हैं। उनके कान ज्यादा बड़े हैं और उनके दांत भी ज्यादा घुमावदार होते हैं।

हाथी सभी शाकाहारी होते हैं। वे घास, पेड़ों की छाल, तिनके, पत्ते व फल खाते हैं। वे हर रोज लगभग 18 घंटे खाने में बिता सकते हैं। एक वयस्क हाथी दिन में 180 किलो (400 पौंड) के लगभग खाना खा लेता है। उन्हें 115—190 लीटर पानी हर रोज चाहिए। इसकी तलाश में वे मीलों का सफर तय करते हैं।

© IFAW/J. Hrusa

© IFAW/M. Booth

अफ्रीका में हाथी	एशिया में हाथी
कंधे तक लगभग 3.1मी.(10 फीट)लंबा	कंधे तक 2.4—3.1मी.(8—10 फीट)लंबा
नर हाथी का वजन 6,000 किग्रा(13,200 पौंड) के लगभग	नर हाथी का वजन 5,000 किग्रा(11,000 पौंड) के लगभग
विशाल कान कंधों को ढकते हैं	बड़े कान कंधों तक नहीं पहुंचते
पीठ सपाट होती है, जिस पर बीच में हलका सा ढलाव होता है	गोलाकार पीठ
नर व मादा दोनों के विशाल दांत होते हैं।	सिर्फ कुछ नर के दांत होते हैं, वे भी बहुत बड़े नहीं।
भूरी—स्लेटी त्वचा पर झुर्रियां ज्यादा होती हैं	त्वचा पर झुर्रियां कम होती हैं। रंग स्लेटी से भूरे की ओर होता है, जिस पर गुलाबी धब्बे होते हैं।
सिर सपाट होता है, जिस पर बीच में कोई गढ़ा नहीं होता।	सिर पर गुंबद सा होता है, जिसमें बीच में एक गढ़ा होता है।
कंधे तक लगभग 3.1मी(10 फीट)लंबा	कंधे तक 2.4—3.1मी(8—10 फीट)लंबा

© IFAW

© IFAW/D. Willetts

Ekkuk ;k u ekuk] ;s tkuoj gkfFk;ksa ds fj'rsnkj gSA

IFAW

इनकी विशालता तो शुरुआत भर है।

हाथियों के शरीर में बहुत से असाधारण और उपयोगी अंग होते हैं। उनकी सूंड व दांत खाने, आपस में संवाद करने व और बहुत से उपयोग में आते हैं। उनके बड़े–बड़े कान व पैर भी बहुत उपयोगी हैं। वास्तव में उनके शरीर के ज्यादातर हिस्से उनके अस्तित्व को बचाए रखने में मदद करते हैं।

इस अद्भुत शरीर के अलावा हाथियों का दिमाग भी अद्भुत या कहें कि गजब होता है! एक बात यह कि उनका दिमाग उन्हें समूह में बेहतर ढंग से काम करने में मदद करता है। हाथी हर उम्र की हथिनियों व शिशु नर हाथियों के पारिवारिक समूहों में रहते हैं। हथिनियां पूरा जीवन एक ही समूह में रहती हैं। नर हाथी आमतौर पर 12 से 17 वर्ष की उम्र में समूह छोड़ कर चले जाते हैं। वे अकेले या छोटे झुंड में रहते हैं।

कोई बड़ी हथिनी जो महामाता होती है, समूह का नेतृत्व करती है। वह सभी हाथियों को एक साथ सुरक्षित रखती है और उन्हें भोजन व खाना ढूंढ़ने में मदद करती है। वह महत्वपूर्ण फैसले लेती है, जैसे कि कब हमला करना है और कब खतरे से दूर भागना है। वह दूसरी

© IFAW/D. Willetts

gkFkh viuh lwM ,d&nwljs ds flj ij j[k dj nksLrh dk ladsr Hkh nsrs gSa

हथिनियों को बच्चों की देखभाल करना भी सिखाती है।

हाथियों की याददाश्त आश्चर्यजनक होती है। वे सालों पहले बिछुड़े अपने रिश्तेदारों को पहचान लेते हैं। जब वे मिलते हैं, तो कई बार घेरा बना लेते हैं, अपने कान फड़फड़ाते हैं और जोर से चिंघाड़ते हैं।

हाथी भावुक होते हैं और हथिनियां का आपस में बेहद मजबूत रिश्ता होता है। वे शिशु के जन्म पर चिंघाड़ कर खुशियां मनाते हैं। किसी घायल बच्चे को खतरो से बचाने के लिए वे बारी–बारी से उसे घेर कर चलते हैं। हाथी अपना स्नेह दिखाने के लिए आपस में चुंबन करते हैं और अपनी–अपनी सूंड आपस में लपेटते हैं। वे चीजें इधर–उधर फेंक कर खेल भी खेलते हैं। जब कोई हाथी मरता है, तो इसके रिश्तेदार उसे पत्तों और तिनकों के साथ कई बार दफन भी करते हैं। यहां तक की कई बार मौत के वर्षों बाद अवशेष के तौर पर बची हड्डियों के पास जा कर वे शोक भी मनाते हैं।

;g lp@rF; g!

,d gkFkh tc iSnk gksrk g] rks mldk otu 120 fdxzk ¼265 ikmaM½ ;k mlls Hkh T;knk gksrk gA ;g T;knkrj o;Ld 0;fDr;ksa ds otu ls T;knk gksrk g!

,d gkFkh dh lwM esa gtkjksa ekalif'k;ka gksrh gA ,d bulku ds 'kjhj esa 650 ls de ekalis'kh gksrh g!

gkFkh viuh xyus esa cuh ,d fo'ks"k Fksyh esa ikuh bdVBk dj ldrs gA ckn esa tc mUgsa xehZ yxs] rks os blls viuh Åij fNMd ysrs gA

gkFkh ds cPPks viuh lwM dks okls gh plrs g] tSls bulku ds NksVs cPPks viuk vxBk plrs gA

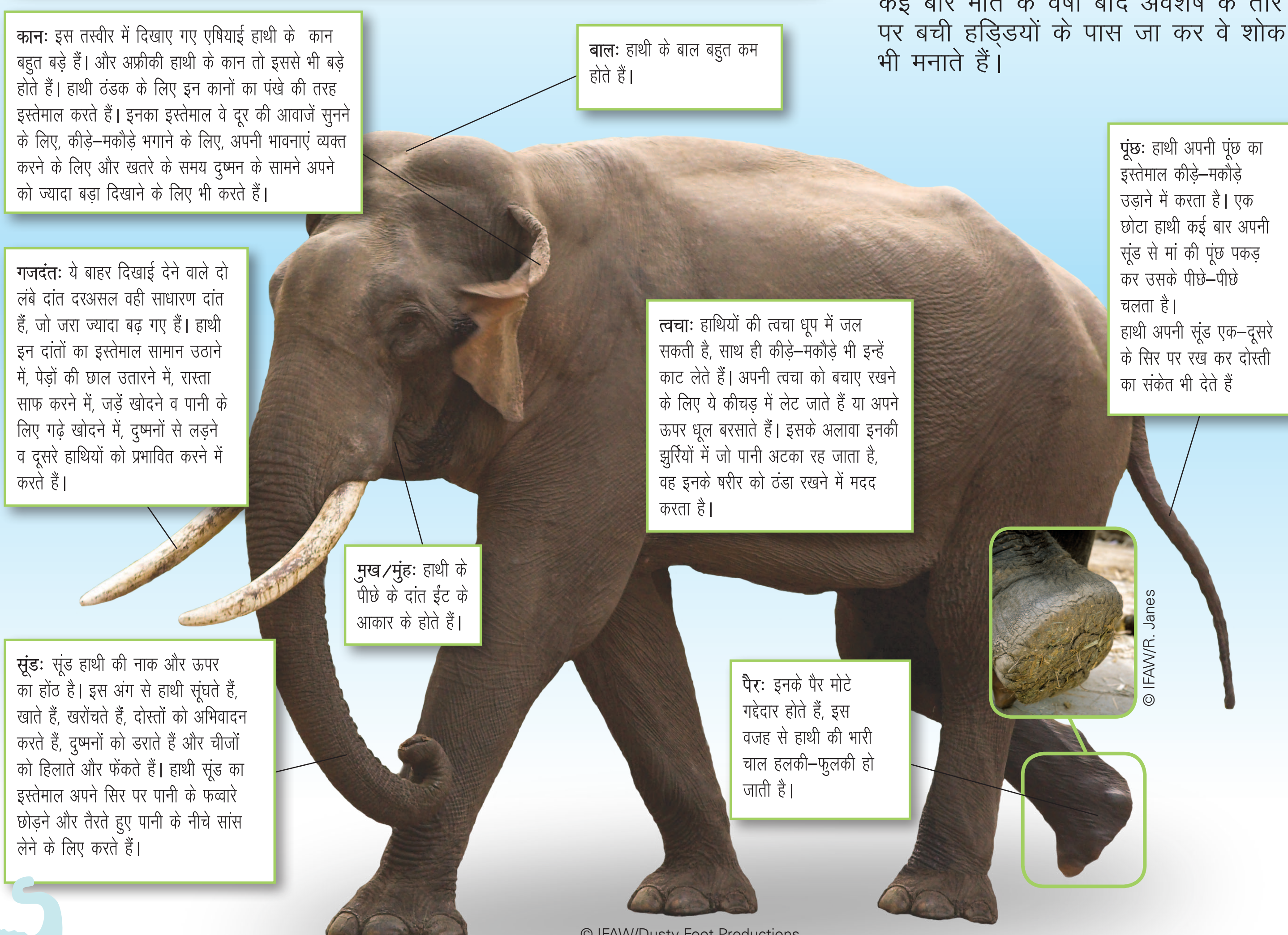

© IFAW/Dusty Foot Productions

IFAW

हाथियों की महत्वपूर्ण भूमिका

वैज्ञानिक हाथियों को आधारभूत प्रजाति मानते हैं। इसका अर्थ यह है कि धरती की जैव विविधता–पौधों व जीव–जंतुओं की व्यापक प्रजातियां–को बचाए रखने में वे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

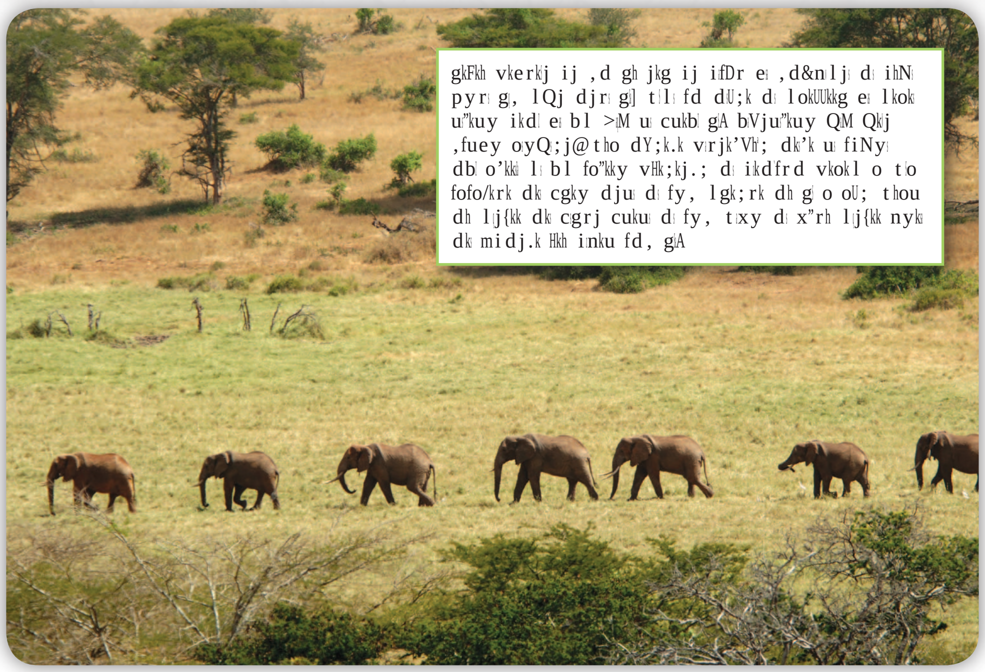
© IFAW/D. Willetts

gkFkh vkerkj ij ,d gh jkg ij ifDr e ,d&nlj d ihN pyr g, lQj djr g] tl fd dU;k d lokUUkg e lkok u"kuy ikd e bl >M u cukb gA bVju"kuy QM Qkj ,fuey oyQ;j@tho dY;k.k vrjk'Vh; dk'k u fiNy db o'kk l bl fo"kky vHk;kj.; d ikdfrd vkokl o tho fofo/krk dk cgky dju d fy, lgk;rk dh g o oU; thou dh lj{kk dk cgrj cuku d fy, txy d x"rh lj{kk nyk dk midj.k Hkh inku fd, gA

धरती के पर्यावरण की मदद हाथी एक तो अपने भोजन से करते हैं। यानी जब हाथी किसी जंगल में भोजन करते हैं, तो उस स्थान की वनस्पति में जगह बन जाती है। इन खाली स्थान पर नए पौधे पनपते हैं, साथ ही अन्य जानवरों के लिए पगडंडियां बन जाती हैं। पश्चिमी अफ्रीका में जंगली हाथी ही ऐसे बड़े जानवर हैं, जो कुछ ऊंचे वृक्षों की टहनियां खा पाते हैं। वे अपने गोबर के जरिए इन पेड़ों के बीज दूसरे स्थानों पर फैलाते हैं। गोबर इन बीजों को उर्वर बनाते हैं और ये नए पौधों के रूप में उग आते हैं। अगर इन हाथियों की मदद न मिलती, तो इनमें से बहुत से पौधे लुप्त हो जाते।

© IFAW/R. Janes

हाथियों की भोजन प्रवृतियां उनके वन्य आवास की जैव विविधता को बनाए रखने में मदद करती हैं। भारत में हाथियों को सुरक्षित आवास के एक ठिकाने से दूसरे तक आसानी से जाने में मदद करने के लिए इंटरनेशनल फंड फॉर एनिमल वेलफेयर व वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया ने हाल ही में एक प्राचीन मार्ग बहाल किया है, जिस पर से लगभग 1000 हाथी गुजरते थे।

सवान्नाह में रहने वाले हाथी पेड़ों व झाड़ियों के अंकुर खाते हैं। इससे पौधे जरूरत से ज्यादा नहीं बढ़ते और सूरज की रोशनी को भी नहीं रोकते। अगर सवान्नाह की घास तक धूप न पहुंचती, तो वह खत्म हो जाती। उस घास को चरने वाले हिरण व अन्य जानवर लुप्त हो जाते। और वे मांसभक्षी जानवर भी न रहते, जो इन जानवरों को खा कर जिंदा रहते हैं। सूखे के समय सवान्नाह हाथी पानी के गढ़े खोदने के लिए अपनी सूंड का इस्तेमाल करते हैं, जो दूसरे जानवरों के भी पानी पीने के काम आते हैं। ये गढ़े इलाके के पानी के स्रोत भी बन जाते हैं।

दूर–दराज से संवाद

हाथी घुरघुरा कर, सीटी बजा कर, नाक से ध्वनि निकाल कर, चिंघाड़ कर या और भी बहुत तरीके से संवाद करते हैं। हाथियों की कुछ ध्वनियां तो इतनी धीमी होती हैं कि इनसान सुन ही नहीं सकता, लेकिन दूसरे हाथी इन ध्वनियों को ८ किमी (५ मील) दूर तक से सुन लेते हैं। ध्वनियों से हाथियों के समूह बिना एक–दूसरे के पास आए हफ्तों तक संवाद बनाए रखते हैं। हाथी अपने पांवों की थपथपाहट से भी संवाद करते हैं। ये ध्वनियां जमीन से होते हुए ३२ किमी (२० मील) या उससे भी ज्यादा का सफर कर सकती हैं।

fopj.k ds fy, LFkku

अफ्रीकी हाथी सारे अफ्रीका भर में घूमते–फिरते थे। मगर अब लोगों ने रिहाइश व खेती के लिए जंगल साफ करने शुरू कर दिए हैं, इसलिए उनका इलाका अब पहले से छोटा हो गया है।
आज अफ्रीका के 37 देशों के विभिन्न इलाकों में हाथी रहते हैं। वे अभयारण्यों में व ऐसे इलाकों में रहते हैं, जहां मानव बस्तियां कम हैं। एशियाई हाथियों के इलाके भी अब सिकुड़ गए हैं। वे एशिया के 14 देशों के विभिन्न इलाकों, जंगलों, झाड़–झंखाड़ व घास बहुल मैदानी इलाकों में रहते हैं।

क्योंकि बड़ी संख्या में हाथी बेघर किए गए हैं, इसलिए वे अलग–थलग पड़े इलाकों में छोटे स्थानों पर रहने को मजबूर हैं। आवास के इस विखंडन ने मनुष्य व हाथियों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा कर दी है। सड़कों व रेलवे लाइनों के कारण हाथियों के पुराने प्रवास मार्ग कट गए हैं या ये रास्ते हाथियों के झुंडों को नए खेतों या बस्तियों तक ले जाते हैं। झुंडों को खाना व पानी ढूंढने में भी मुश्किल होती है। उन्हें हाथियों के दूसरे झुंडों से मिलने के मौके भी कम हो गए हैं, इसलिए उन्हें जोड़े बनाने के लिए भी चयन के अवसर कम मिलते हैं। हाथियों की जनसंख्या के लिए यह कोई बहुत स्वस्थ स्थिति नहीं है।
इन समस्याओं के कारण संरक्षण कार्य में लगे समूह हाथियों के आवास व उनके विचरण के मार्गो को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। वे भूमि के उन खंडों/पट्टियों को बचाने का प्रयास भी कर रहे हैं, जो हाथियों के एक आवास को दूसरे से जोड़ते हैं। हाथी इन गलियारों के जरिए अपने आवास क्षेत्रों में सुरक्षित रूप से विचरण कर सकते हैं।

ge vkSj gkFkh

एशिया और अफ्रीका में हाथी लोगों के इतिहास, जिंदगी व संस्कृति के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। कुछ धर्मों में वे भगवान की तरह हैं। उत्सवों में उनकी भागीदारी होती है। विवाह समारोहों में उन्हें शामिल किया जाता है। सैंकड़ों सालों से इनसान हाथियों को भारी सामान उठाने और वाहन व यातायात के साधन के तौर पर इस्तेमाल करता रहा है। उन्हें प्रशिक्षित कर युद्ध में भी इस्तेमाल किया जाता था। आजकल टूर गाइड उन्हें लोगों

© IFAW/R. Janes

भारत व दूसरे एषियाई देषों में हाथी के रखवाले यानी महावत लोगों व सामान को लाने–ले जाने के लिए हाथियों को प्रषिक्षित करते हैं। यहां हाथी अवैध षिकारियों पर नजर रखने वाले गष्ती दल की मदद करते दिखाई दे रहे हैं।

t yok;q ifjorZu

जलवायु परिवर्तन तब होता है, जब हवा में मौजूद गैसों के कारण गरमी धरती के निकट रहती है। इस कारण कुछ समय बाद धरती गर्म रहने लगती है। जलवायु में परिवर्तन से बहुत सी समस्याएं हो सकती हैं, जैसे बाढ़ या सूखा (लंबे समय तक बारिश न होना)। सूखे के समय लोगों व जानवरों के लिए पानी की कमी पड़ सकती है।

हाथियों के आवास को बचाने से–खासकर जंगलों को–जलवायु परिवर्तन के प्रभाव भी कम हो सकते हैं। जंगल कुछ ऐसी गैसों को खींच लेते हैं, जो गर्मी को धरती के निकट रखती हैं। इसलिए हाथियों के आवास बचाने से तमाम वनस्पति व वन्य प्राणियों की मदद हो सकती है– इनसान की भी।

को घुमाने–फिराने व हिंसक जानवरों से दूर रखने के काम में लाते हैं। हाल के वर्षों में हाथियों व इनसानों के बीच समस्याएं पैदा हो गई हैं। हाथी इनसान के साथ स्थान, भोजन व पानी को ले कर संघर्ष कर रहा है। वे खाने की तलाश में भटकते हुए कई बार गांवों व खेतों में आ जाते हैं। अपने खेतों को बचाने के लिए किसान कई बार हाथियों को मार डालते हैं या घायल कर देते हैं। इन मुठभेड़ों में कई बार हाथी भी इनसान को मार डालते हैं।

कई बार लोग हाथियों की जनसंख्या को काबू में रखने के लिए भी इन्हें मार डालते हैं। वे किसी एक को या हाथियों के पूरे परिवार को मार डालते हैं। ये कृत्य उन हाथियों को त्रस्त कर देते हैं, जो इस तरह अपने साथियों का मारा जाना देखते हैं। कई बार वे बहुत उदास हो जाते हैं, दूसरे हाथियों से बचने लगते हैं या ज्यादा आक्रामक हो जाते हैं।

Ckpko dsfy,

असम में इंटरनेशनल फंड फॉर एनिमल वेलफेयर व वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया का एक बचाव व पुनर्वास केंद्र ऐशियाई हाथियों के घायल या अनाथ बच्चों की तब तक सहायता करता है, जब तक कि वे इतने बड़े न हो जाएं कि अपने को खुद संभाल सकें। अगर कोई बच्चा मुसीबत में नजर आता है, तो बचाव दल सबसे पहले यह प्रयास करता है कि उसे उसके झुंड तक पहुंचा सके। अगर यह संभव न हो, तो उनकी एक या दो साल तक केंद्र पर ही देखभाल की जाती है। इसके बाद उन्हें संरक्षित वन्यजीवन अभयारण्य में छोड़ दिया जाता है। जनवरी, 2011 तक हाथियों के 13 बच्चे वापस जंगल में छोड़े गए हैं।

© IFAW/R. Janes

कुछ अफ्रीकी देशों के संरक्षित क्षेत्रों को अभयारण्य में परिवर्तित किया गया है, जहां हाथी व इनसान में मुठभेड़ नहीं होती। इस तरह के प्रयास से इनसानों व हाथियों के बीच टकराहट को रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं।

,d cMk dne

अफ्रीका के मालावी में इंटरनेशनल फंड फॉर एनिमल वेलफेयर ने इनसानी मुठभेड़ से बचाने के लिए 83 हाथियों के एक झुंड को सुरक्षित रूप से स्थानान्तरित किया। हाथी अब देश के दूसरे हिस्से में संरक्षित वन्यजीवन अभयारण्य में स्वतंत्र विचरण कर रहे हैं। इंटरनेशनल फंड फॉर एनिमल वेलफेयर के इस प्रोजेक्ट/कार्यक्रम से जाहिर है कि इनसान व हाथियों के बीच का तनाव हिंसा में ही समाप्त नहीं होता।

© IFAW

© IFAW/L. Aidong

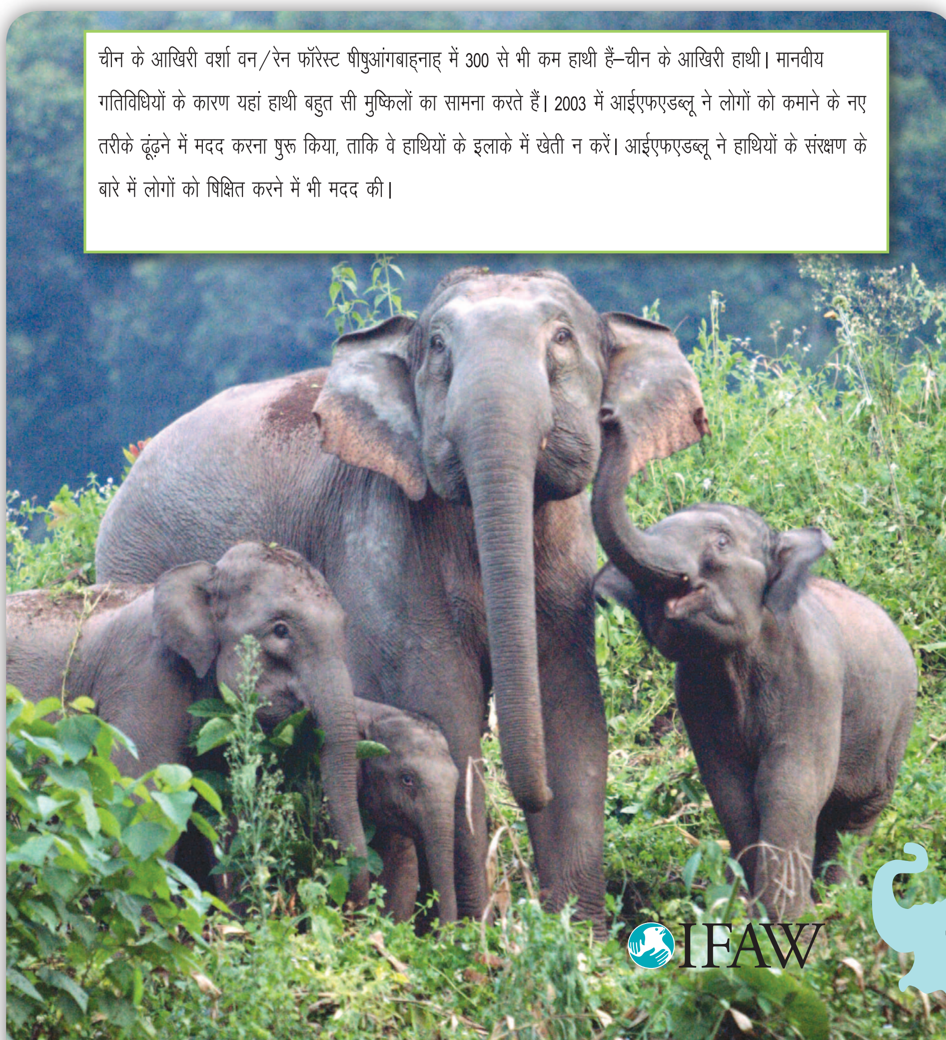

चीन के आखिरी वर्षा वन/रेन फॉरेस्ट षीषुआंगबाह्नाह में 300 से भी कम हाथी हैं–चीन के आखिरी हाथी। मानवीय गतिविधियों के कारण यहां हाथी बहुत सी मुष्किलों का सामना करते हैं। 2003 में आईएफएडब्लू ने लोगों को कमाने के नए तरीके ढूंढ़ने में मदद करना षुरू किया, ताकि वे हाथियों के इलाके में खेती न करें। आईएफएडब्लू ने हाथियों के संरक्षण के बारे में लोगों को षिक्षित करने में भी मदद की।

IFAW

हाथियों के साथ मुश्किल

एक समय था जब एशिया और अफ्रीका महाद्वीप में लाखों जंगली हाथी विचरण किया करते थे। लेकिन विज्ञानियों का मानना है कि अब हाथियों की संख्या उससे भी आधी रह गई है, जितनी कि आज से 100 साल पहले थी।

इसका एक बड़ा कारण है, हाथीदांत के लालच में हाथियों की हत्या। हाथीदांत का प्रयोग लोग हजारों सालों से कर रहे हैं। पियानो की चाबियां, चॉप स्टिक्स व दिखावटी वस्तुएं और गहने आदि हाथीदांत से बनते रहे हैं। मगर हाथीदांत सिर्फ मरे हुए हाथी से ही मिल सकता है।

विभिन्न सरकारों के 1989 में हुए एक समझौते के अनुसार हाथीदांत खरीदना और बेचना प्रतिबंधित है। इसके बावजूद हाथियों का अवैध शिकार हो रहा है, क्योंकि अभी भी लोग हाथीदांत की चीजें खरीदना चाहते हैं और हाथियों के लिए संरक्षित आवास बहुत कम हैं। इसके अलावा बहुत से गरीब देशों में कानून लागू करने भी कठिन हैं।

पर्यावरण संरक्षण संगठन हाथियों को अवैध शिकार से बचाने के लिए कार्य कर रहे हैं। वे हाथीदांत के कारोबार के प्रतिबंध को लागू करने में मदद कर रहे हैं, साथ ही लोगों को यह सिखाने और बताने का प्रयास भी कर रहे हैं कि वे हाथीदांत के किसी भी प्रकार के उत्पाद को न खरीदें।

इसके अलावा विज्ञानी हाथियों के अवैध शिकार को एक नए तरीके से भी बंद करने का प्रयास कर रहे हैं। अब वे हाथीदांत की जांच कर यह बता सकते हैं कि जिस मरे हुए हाथी के ये दांत हैं, वे किस जीवित हाथी के रिश्तेदार हैं। इससे यह पता चल जाता है कि हाथीदांत कहां से आया है और किस इलाके में हाथी मारे गए हैं।

gkFkh nkr o dkuu

© IFAW/R. Sobol

लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतराष्ट्रीय व्यापार पर सम्मेलन;ब्प्ज्म्ैद्ध में 1989 में एक संधि हुई थी, जिसमें सभी जंगली हाथियों को उच्च स्तर का संरक्षण दिया गया है। इसमें एशियाई और अफ्रीकी हाथियों के दांत व अन्य शारीरिक अंग बेचने पर प्रतिबंध लगाया गया है। मगर समझौते में हुए एक बदलाव के तहत हाथीदांत के भंडारों को कई बार बेचने की अनुमति दी गई है। विक्रेताओं का कहना है कि ये हाथीदांत उन हाथियों के हैं, जिनकी मृत्यु प्राकृतिक रूप से हुई है, पर बहुत से लोगों का कहना है कि ये हाथी मारे गए हैं।

पर्यावरण संरक्षणकर्ताओं का कहना है कि अगर हाथीदांत को बेचना वैध होगा, तो अवैध शिकारियों को अवैध हाथीदांत की तस्करी व इसे बेचने का मौका मिलेगा। लोगों के लिए यह बता पाना मुश्किल

होता है कि कौन सा हाथीदांत वैध है और कौन सा अवैध।

दुनिया भर के बहुत से लोग मानते हैं कि अगर एशियाई और अफ्रीकी हाथियों को बचाना है, तो हाथीदांत के व्यापार को पूरी तरह से रोकना होगा।

bVjuV d tfj, dkjckj

वन्य जीवन व वन्य जीवन संबंधी उत्पादों के अवैध कारोबार के लिए इंटरनेट एक आसान जरिया बन गया है। इंटरनेशनल फंड फॉर एनिमल वेलफेयर को पता चला कि 11 देशों में इंटरनेट पर जो वन्यजीवन संबंधी उत्पाद खरीदे गए, उनमें लगभग तीन–चौथाई शुद्ध हाथीदांत के उत्पाद थे। नतीजतन इंटरनेट की नीलामी साइट ई बे ने 2009 से हाथी दांत के उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। लोग अगर ऑनलाइन या और कहीं से भी हाथीदांत न खरीदें, तो वे हाथियों को बचाने में मदद कर सकते हैं।

© IFAW/D. Willetts

इससे कानून लागू करने वाले अधिकारियों व हाथियों के बचाव के लिए काम कर रहे अन्य लोगों को यह जानने में मदद मिलती है कि किस इलाके में हाथियों का अवैध शिकार हो रहा है।

हाथियों का बचाव

अगर हाथीदांत के कारोबार को पनपने दिया जाए और इनके ठिकाने इसी तरह कम होते रहे, तो हाथियों पर गंभीर खतरे मंडराते रहेंगे। संरक्षण समूह हाथियों को बचाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हाथियों व उनके प्राकृतिक आवास को बचाने के लिए सरकार, संगठन, उद्यम व समुदाय सभी को मिल कर काम करना होगा।

प्रकृति के संरक्षण के लिए हाथी बेहद आवश्यक हैं। हाथियों को बचाने का अर्थ है ज्यादा वनस्पति, ज्यादा वन्य प्राणियों व ज्यादा प्राकृतिक परिवेश को बचाना। हाथियों का लुप्त होना बहुत सी दूसरी प्रजातियों के लिए खतरनाक होगा। और यह एक समझदार व प्यारे से जानवर का दुखद अंत भी होगा।

भारत सरकार के पर्यावरण व वन मंत्रालय ने एशियाई हाथियों को बचाने के लिए हाल ही में हाथी मेरे साथी नाम से एक अभियान चलाया है। वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया शुभंकर गजू के जरिए अभियान को आप लोगों तक पहुंचाएगा। भारत की राष्ट्रीय धरोहर को बचाने के लिए हमारे साथ शामिल हों।

Haathi mere saathi

© IFAW/C. Cullen

शब्दावली

tio fofo/krk% जैविक विविधता; किसी क्षेत्र की प्रजातियों, जींस व जीवित समुदायों की विविधता का माप

eklkgkjh% मांस खाने वाले जानवर

lj{k.k% किसी प्रजाति या प्राकृतिक संसाधन का सावधानी पूर्वक इस्तेमाल या बचाव

Ik;koj.k% किसी परिवेश में पौधों, वन्य प्राणियों व अन्य वस्तुओं के परस्पर संबंध वाले समुदाय, जहां पौधे व प्राणी होते हैं

gkfFk;k d xfy;kj% अपने ठिकानों के बीच घूमने के हाथियों के रास्ते

yIr ik; itkfr;k% ऐसी प्रजातियां जो पूरी तरह नष्ट होने के कगार पर हों।

yIr% वे प्रजातियां जो अब इस धरती पर नहीं हैं

ikdfrd vkokl dk foHkktu% आवास के छोटे व अलग–थलग होते जाने की प्रक्रिया

'kkdkgkjh% वे जानवर जो सिर्फ पौधे खाते हैं।

vk/kkjHkr itkfr% वे प्रजातियां जो किसी प्राकृतिक परिवेश के ढांचे व क्रियाकलाप को गहराई से प्रभावित करती हैं, जैसे किसी इमारत में नींव के पत्थर इमारत की मजबूती को प्रभावित करते हैं।

dyekrk% एक पारिवारिक समूह की महिला नेता

iokl% जानवरों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना।

vo/k f'kdkj% जानवरों को गैरकानूनी तरीके से शिकार कर उन्हें मार डालना।

jt@bykdk% वह सारा क्षेत्र, जहां ज्यादातर एक ही प्रकार के प्राणी रहते हैं।

iuokl% लंबे समय तक चलने वाली की परेशानियों के बाद स्वास्थ्य या अन्य किसी स्थिति को सामान्य करना।

lokUukg% घास के ऐसे बड़े मैदान, जहां बहुत ज्यादा पेड़ न हों

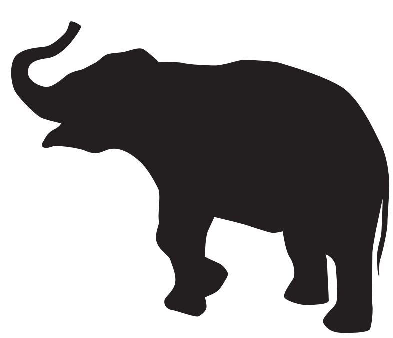

तस्करीः सामान को गैर कानूनी तरीके से देश के अंदर कहीं या बाहर ले जाना।

itkfr% प्राणियों का ऐसा समूह जो एक समान हैं और जो बच्चों को जन्म देते हैं।

fo'kky HkMkj% एक जगह इकट्ठा रखा बहुत सा सामान

v/;k; 1% tkudkjh c<kuk&ohfM;ks o ikB~; lkexzh

lh[kus ds ifj.kke% Nk= viuh igys dh tkudkjh dk ;kn djsaxs] os gkfFk;ksa ls lacaf/kr ohfM;ks ns[k dj ;k ikB~; lkexzh i<+ dj mlls [kqn dks lac) eglwl djsaxs] gkfFk;ksa ls lacaf/kr vko';d 'kCnkoyh o tkudkjh dks le>saxsA

देखना/पढ़नाः छोटे छात्र

पहले/ या वीडियो देखने के दौरान

1. छात्रों को जोड़ों में बैठ कर वे हाथी के बारे में जो जानते हैं, उस पर बात करने को कहें। इसके बाद हर जोड़े को अपनी जानकारी समूह से बांटने को कहें। साथ ही आप उनकी जानकारी को फ्लिप चार्ट की जानकारी वाले कॉलम में लिखें।

Tkkudkjh	mRlqdrk	D;k lh[kk

2. जोड़ों से पूछें कि हाथी के बारे में उनके मन में क्या उत्सुकता है। हर जोड़े को कहें कि कम से कम एक प्रश्न जरूर सोचे और इसे स्टिकी नोट (चिपकाए जा सकने वाले) पर लिख ले। हर जोड़े को अपना नोट उत्सुकता वाले कॉलम में चिपकाने को कहें, ताकि कक्षा के दूसरे छात्रों को भी पता चले।

3.वीडियो दिखाएं।

वीडियो दिखाने के बाद

4. अपने छात्रों को अकेले या समूह में वीडियो क्विज खिलवाएं। जब क्विज खत्म हो जाए, तो इस बात पर चर्चा करें कि उन्होंने हाथियों के बारे में क्या सीखा। चर्चा को प्रोत्साहित करने के लिए नीचे दिए प्रश्नों का इस्तेमाल करें।

- हाथी अपनी सूंड का कैसे इस्तेमाल करते हैं?
- हाथी आपस में संवाद कैसे करते हैं?
- हाथी किस तरह इनसान जैसे होते हैं?
- हाथी दूसरे जानवरों के लिए किस तरह सहायक होते हैं?
- लोग हाथियों की मदद कैसे करते हैं और उनके लिए खतरा कैसे बन जाते हैं?

5. छात्रों से पूछें कि चार्ट के किन प्रश्नों का उत्तर दिया गया है। इन चिपकानेवाले नोट को उतारें व छात्रों से पूछ कर चार्ट पर लिखें कि उन्होंने क्या सीखा।

पाठ्य सामग्री पढ़ने से पहले/उसके दौरान

6. छात्रों के साथ पाठ्य सामग्री, चित्र व शब्दावली देखें। कुछ शब्दों के या सभी शब्दों के अर्थ पर बातचीत करें।
7. पाठ्य सामग्री जोर से पढ़ें या किसी छात्र को पढ़ने के लिए कहें। वैकल्पित स्रोत या गृहकार्य के तौर पर वर्कशीट1 दें।

पाठ्य सामग्री पढ़ने के बाद

8. लिखी सामग्री पर बातचीत के लिए ऊपर दिए प्रश्नों का प्रयोग करें।
9. छात्रों के साथ फ्लिप चार्ट के प्रश्नों की समीक्षा करें और देखें कि प्रश्नों के उत्तर दिए गए या नहीं। अगर किसी सवाल का उत्तर न दिया जाए, तो छात्र की मदद करें, उसे इंटरनेट या लिखित सामग्री की सहायता के लिए प्रेरित करें।

देखना/पढ़नाः बड़े/बड़ी कक्षा के छात्र

पहले/ या वीडियो देखने के दौरान

1. छात्रों को जोड़ों में बैठ कर बात करने को कहें कि वे हाथी के बारे में क्या जानते हैं।
2. वीडियो दिखाएं
3. जोड़ों में या अकेले–अकेले वीडियो क्विज खिलवाएं।
4. हर छात्र को वर्कशीट 1 की एक प्रति दें। शब्दावली पढ़ें व समझाएं कि यह हाथियों के लिए व हाथी किन समस्याओं का सामना करता है, इसे जानने के लिए जरूरी है। छात्रों को कहें कि वे हाथियों से संबंधित शब्दावली के बारे में क्या सोचते हैं, इसे दूसरे कॉलम में लिखें। (संदर्भ के लिए आप शब्दकोष भी दे सकते हैं)

वीडियो देखने के बाद

5. छात्रों से कहें कि वे वीडियो क्विज के अपने जवाब व वर्कशीट 1 के दूसरे कॉलम में जो लिखा है, उस पर विचार–विमर्श करें। उन्हें जो जानकारी सबसे जरूरी लगती है, उसे वर्कशीट पर लिखने को कहें। अगर जरूरी हो तो वे वर्कशीट के पीछे भी लिख सकते हैं।
6. समूह में वीडियो, क्विज के जवाब व वर्कशीट1 पर चर्चा करें। छात्रों से पूछें कि उन्हें वीडियों के सबसे महत्वपूर्ण बिंदु कौन से लगते हैं व इन्हें कक्षा के चार्ट पर संक्षेप में लिखें।

पाठ्य सामग्री पढ़ने से पहले/उसके दौरान

7. छात्रों के साथ पाठ्य सामग्री, चित्र व शब्दावली देखें/ पूर्वावलोकन करें।
8. छात्रों को पाठ्य सामग्री अकेले या अपने साथी के साथ पढ़ने दें। जो अच्छी तरह पढ़ सकता हो, उसका साथी ऐसा चुनें, जो पढ़ने में थोड़ा कम अच्छा हो।

पाठ्य सामग्री पढ़ने के बाद

9. पढ़ने के बाद छात्रों की जानकारी को समेकित करने में मदद के लिए इन प्रश्नों का प्रयोग करें।

हाथी अपनी सूंड का इस्तेमाल कैसे करते हैं?

हाथी किस तरह सामाजिक जीव हैं?

हाथी किस तरह जैव विविधता बनाए रखने में मदद करते हैं?

हाथी के दांत किस तरह उसके अस्तित्व को बचाए रखने में मदद करते हैं व उसके लिए खतरा भी हैं?

लोग किस तरह हाथी की मदद करते हैं और किस तरह उसे नुकसान पहुंचाते है?

क्या छात्रों ने पाठ्य सामग्री से मिली जानकारी अपनी वर्कशीट में दी और कक्षा के चार्ट पर लिखने में आपकी मदद की।

vkidk D;k fopkj gS\

ijLij iHkko Mkyus okyh laoknkRed xfrfof/k] vkidk D;k fopkj gS\ ds ek/;e ls ifjizs{; dks le>rs gq, ohfM;ks fn[kkus ls igys ;k ckn esa o ikB~; lkexzh ls i<rs gq, lh[kus dh izfØ;k tkjh j[kh tk ldrh gSA

mUgsa [kqn djus nsa% jsxhu fp=ksa] fuca/kksa] y?kqdFkkvksa] dforkvksa o vU; jPkukRed dk;ksZa ds ek/;e ls

viuk Nk=ksa dks dYiuk djus o [kkst ds fy, izsfjr djsa&fo'k; gkxk% gkfFk;ksa ds fcuk bl /kjrh ij ,d fnuA Nk=ksa dh ekSfyd jpukvksa dks ,fuey ,D'ku vkWfDVLV esa Hkst,A foLr`r fooj.k o ,Vh QkeZ ds fy, ns[ksa% **http://www.wti.org.in/project-in-focus/animal-action-education-2011.html**

हाथी: कभी नहीं भूलते

वर्कशीट 1: देखने/पढ़ने के लिए संदर्शिका

नाम ______________________________ तिथि: ____________________

शब्द	शब्द हाथी से कैसे संबद्ध है ?	मैंने क्या पता लगाया ?
nkr		
lM		
lokn		
egkekrk		
vo/k f'kdkj		
to fofo/krk		
vk/kkjHkr itkfr		

lcl egRoi.k rF;

हाथी कभी नहीं भूलते

ohfM;k fDo t

IFAW

नाम...तिथि...

vHkh tk fQYe n[kh ml l rieu D;k
lh[kk\ uhp fn, i'uk d mRRkj nA

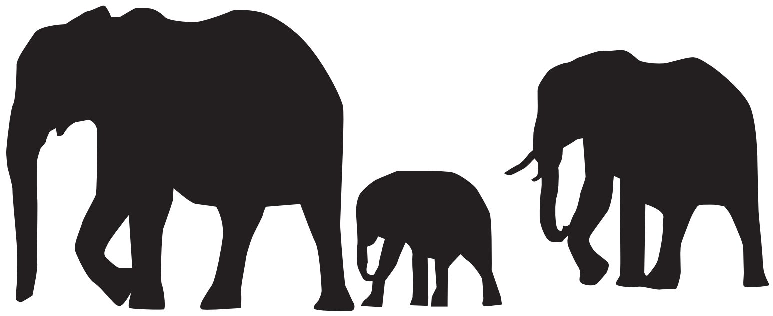

1.इनमें से कौन आज के हाथियों से संबंधित नहीं है?
v½ सूअर
c½ मानेती
l½ रोएंदार विशाल हाथी

2.अफ्रीकी सवान्नाह में किस अनुकूलन से हाथियों को ठंडा रहने में मदद मिलती है?
v½ गद्देदार पैर
c½ बड़े कान
l½ लंबे दांत

3. हाथी के बाहर निकले लंबे दांत असल में खानेवाले दांत ही हैं
v½ सही
c½ गलत

4 एक अफ्रीकी नर हाथी का वजन कितना हो सकता है?
v½ एक छोटे बच्चे के वजन के बराबर
c½ 6 बच्चों के वजन के बराबर
l½ 80 व्यक्तियों के वजन के बराबर

5 नीचे दिए गए कार्यों में क्या है, जो हाथी सिर्फ अपनी सूंड से नहीं कर सकता?
v½ पेड़ की एक शाखा उठाना
c½ घास का एक तिनका उठाना
l½ पानी पीना

6 नीचे दिए तरीकों में से कौन सा ऐसा है, जिससे हाथी के प्राकृतिक आवास को मदद मिलती है?
v½ हाथी बड़ी मात्रा में मिथेन गैस बनाते हैं, जो हवा को साफ रखती है
c½ हाथी बड़ी मात्रा में गोबर करते हैं, जिससे पौधों को फैलने में मदद मिलती है।
l½ हाथी तेज कंपन करते हैं, जिससे पेड़ गिर जाते हैं और घास को फैलने के लिए जगह मिलती है।

7- किस बात से पता चलता है कि हाथी मनुष्यों के निकट रहें तो संघर्ष बढ़ते हैं?
v½ जब हाथियों को ऊब महसूस होती है, तो वे लोगों को दौड़ाते हैं, फसल रौंद देते हैं व गांवों को तबाह कर देते हैं।
ब) जब हाथियों के खाने के लिए भोजन नहीं रहता, तो वे उन जानवरों को खा जाते हैं, जिनका इनसान अपने खाने के लिए शिकार करता है।
स) जब हाथियों के पास रहने के लिए जगह नहीं रहती, तो वे इनसानों की बस्तियों की तरफ आते हैं, जिससे हाथियों और इनसानों दोनों को ही तकलीफ होती है।

8. वे तीन वजह क्या हैं, जिनके कारण हाथी इतिहास में इनसान के लिए महत्वपूर्ण रहा है?

....

....

....

9. आज हाथियों को कौन से तीन खतरे हैं?

....

....

....

10.'यह महत्वपूर्ण है कि हम हाथियों को न भूलें' लेखक ने ऐसा क्यों लिखा?

....

....

....

उत्तरः 1. अ; 2.ब; 3. अ; 4.स; 5. स; 6. ब; 7. स; 8. उत्तर में षामिल हो सकता हैः यातायात के लिए, भारी सामान उठाने के लिए, युद्ध व धर्म 9. उत्तर में षामिल हो सकता हैः सड़क व रेल मार्ग बनाना, जिनसे प्रवास मार्ग नश्ट हो गए, प्राकृतिक आवास नश्ट होना, हाथी दांत के लिए अवैध षिकार, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, आवास के लिए हाथियों व इनसानों के बीच संघर्श; 10. यह आपका निर्णय है।

v/;k; 2 % ikdfrd vkokl ds ckjs esa le>uk& vuqdj.k o okrkZyki xfrfof/k@vH;kl

lh[kus dk mÌs';% xfrfof/k;ksa esa Hkkx ys dj Nk=ksa dks ikdfrd vkokl u’V gksus dh o fo[kMu dh vo/kkj.kk le> vk,xh] ftlls os gkfFk;ksa dh fLFkfr dks le> ldsaxs o yksxksa dks le>kus ds fy, fy[kus o cksyus ds viuh dkS'ky dk iz;ksx dj ldsaxsA

ikB; lkexzh ds ckjs esa crkuk ¼gj mez o {kerk ds Nk=½

1. पाठ्य सामग्री में से ‘विशालता एक शुरुआत है’ ‘विचरण के लिए स्थान’ व ‘जलवायु परिवर्तन’ वाले अनुभाग जोर से पढ़ें ।
2. नीचे दिए प्रश्न पढ़ कर बोर्ड पर लिखें। छात्र इन पर समूह में चर्चा करें, इससे पहले उनसे कहें कि अपने साथ बैठे साथी से हर प्रश्न के बारे में बात करें। बताएं कि पाठ्य सामग्री से उत्तर किस तरह ढूंढ़ना है व किस तरह सामग्री से संकेत ले कर परिणाम निकालना है।

हाथियों के प्राकृतिक आवास नष्ट होने व विखंडन के क्या कारण पाठ्य सामग्री में दिए गए हैं?

(खेती, बस्तियां, जलवायु परिवर्तन, सड़क व रेल मार्ग बनने से बाधाएं)

प्राकृतिक आवास नष्ट होने से हाथियों को क्या दिक्क्त होती है? (खाने व पानी तक पहुंच पहले जैसी नहीं रहती, इनसानों से टकराव बढ़ता है, समूह अलग–थलग पड़ जाते हैं, जोड़े बनाने के अवसर सीमित हो जाते हैं, बीमारियां बढ़ती हैं।) हाथियों के प्राकृतिक आवास के मुद्दे पर मदद करने के लिए इनसान अपनी ओर से क्या कर सकता है? (हाथियों के आवागमन के लिए गलियारे बनाना, प्राकृतिक आवास का संरक्षण, कम कागज का इस्तेमाल करना, ताकि जंगल न काटने पड़ें, कम ऊर्जा का इस्तेमाल ताकि जलवायु कम प्रभावित हो, नेताओं को लिखना व दूसरों को जानकारी देना)

3. छात्रों से कहें कि वे आप के साथ मिल कर फ्लिप चार्ट पेपर पर एक रेखा चित्र बनाएं, जिसमें आवास नष्ट होने के प्रभाव की सूची बनी हो। आपका तैयार हुआ चार्ट कैसा दिखेगा इसे समझने के लिए यहां दिया रेखाचित्र देखें।

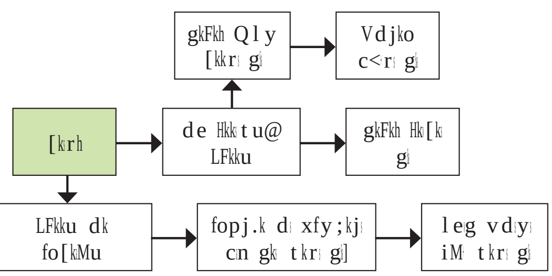

vkokl u"V gksus ds urhts ij vuqdj.k

1. बोर्ड पर यह स्थिति लिखें: एक स्थानीय गांव में घरों की संख्या व इनके आसपास खेत बढ़ गए हैं, जिसका अर्थ है कि हाथियों के आवास का 25 फीसदी हिस्सा नष्ट हो गया है। हाथियों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?
2. छात्रों को कक्षा का आकार नापने के लिए कहें व इसे बोर्ड पर लिख दें। अब छात्रों को हिसाब लगाने दें कि इसमें से अगर 25 फीसदी स्थान कम हो जाए, तो कितना रह जाएगा। इसे नोट कर लें।
3. छात्रों को कहें कि वे कमरे के कुल आकार के 50 व 25 फीसदी के ‘आवास द्वीप’ बनाएं। कमरे के फर्श पर रस्सी से या धागे से इन पर निशान लगाने में उनकी मदद करें।
4. कक्षा के 75 फीसदी बच्चों को बड़ी जगह पर और 25 फीसदी बच्चों को छोटी जगह पर बैठने को कहें। इसी स्थिति में कक्षा की नियमित गतिविधियां जारी रखें। उन्हें बताएं कि दोनों समूह आपस में बात नहीं कर सकते।
5. छात्रों से चर्चा करे कि किस तरह आपस में बात न कर सकने व 25 फीसदी जगह कम हो जाने से वे प्रभावित हो रहे हैं। एक–दूसरे के इतने पास बैठ कर उन्हें कैसा लग रहा है ? सामान्य गतिविधियों करने में क्या कठिनाई नहीं हो रही? हाथियों को अपना 25 फीसदी आवास खो कर कैसा लगता होगा? वे क्या करते होंगे?

निशान लगा कर उनके रास्ते बना दें, जिन पर चल कर वे संदर्भ के लिए पुस्तकें, लंच बैग या पानी लाने जाएं। इसके बाद इन ‘गलियारों’ को बंद कर दें। इसी स्थिति में छात्रों को अपनी नियमित गतिविधियां करने का प्रयास करने को कहें। अब हाथियों से तुलना करें कि अपने पानी के या आवागमन के परंपरागत रास्तों के बंद होने पर उन्हें कैसा लगता होगा।

ikdfrd vkokl u"V gksuk &vH;kl

1. फ्लैश कार्ड पर ये शब्द लिखें: मां, बच्चे, भोजन, पानी, यात्रा, स्वास्थ्य, शत्रु व संवाद करना
2. दो–दो के जोड़े बना कर बच्चों को कहें कि मान लें कि वे हाथी हैं। हर जोड़े को एक कार्ड उठाने को कहें। उन्हें कहें कि अपने को हाथी मानते हुए वे कार्ड पर लिखे शब्द पर इस तरह चर्चा करेंगे कि उनमें से एक हाथी एक बड़े, खुले व ऐसे स्थान पर रह रहा है, जहां इनसानी बस्तियों का कोई प्रभाव नहीं है, वहीं दूसरा हाथी एक गांव के निकट रह रहा है, जो फैलते हुए उसके आवास तक चला आया है।
3. छोटे व कम सक्षम बच्चों के लिए आपको उदाहरण देने होंगे। कहें: मैंने पानी का कार्ड उठाया है। पहला– मैं एक ऐसा हाथी हूं, जो एक बड़े व खुले स्थान पर रह रहा है। मुझे कई बार पानी की तलाश में दूर तक जाना पड़ता है। सूखा पड़ा है और मुझे जरूरत भर पानी नहीं मिल रहा है....दूसरा– अब मैं ऐसा हाथी हूं, जो लोगों के करीब रह रहा है। पानी गांव के दूसरी तरफ है। मेरा झुंड गांव को रौंदता हुआ पानी की ओर जाता है। लोग नाराज हो कर मेरे झुंड के कुछ हाथियों को मार देते हैं।
4. जब बच्चे दोनों तरह के हाथियों के दृष्टिकोण से शब्दों पर चर्चा कर लें, तो उन्हें दोनों तरह के हाथियों के विचारों पर आपस में संवाद करने दें।

v/;k; 3% gkFkh o i;kZoj.k dk laca/k

सीखने का उद्देश्यः छात्र अपने पर्यावरण में हाथी, उसके वनस्पति तथा अन्य जीव जंतुओं से संबंध व जैव विविधता को बनाए रखने में उसकी भूमिका को समझेंगे।

Ik;kZoj.kh; laca/k% NkVh mez dk Nk=

1. पाठ्य सामग्री में से हाथियों की महत्वपूर्ण भूमिका वाला अनुभाग (यंगर रीडर एडीशन में से) छात्रों को पढ़ कर सुनाएं, जिसे वे पीछे–पीछे दोहराते चलें।

2. हमारे पर्यावरण में हाथी की क्या भूमिका है, इसे समझने में छात्रों की मदद करें। पाठ्य सामग्री में बताई गईं जैव विविधता की अवधारणा व आधारभूत प्रजातियां आदि को समझना बहुत से छात्रों के लिए कठिन होगा, इसलिए 'हाथी के काम' (इस वाक्यांश को बोर्ड पर लिख दें) से ही उन्हें समझाएं। पाठ्य सामग्री से नीचे दिए ऐसे वाक्यांश ले कर छात्रों को जोड़ों में उन पर बात करने को कहें व बोर्ड पर उनके चित्र बनवाएं।
'हाथी जब जंगल में खाता है, तो वनस्पति के बीच में खाली जगह बन जाती है, जिनमें नए पौधों को उगने का मौका मिलता है व जानवरों के लिए नई पगडंडियां बन जाती हैं।
' अपने गोबर के माध्यम से वे इन पेड़ों के बीज सब जगह फैला देते हैं।' गोबर इन बीजों को उर्वर बनाता है, जिससे वे नए पौधों के रूप में विकसित हो जाते हैं।
'सूखे के समय सवान्नाह के हाथी अपनी सूंड से गढ़े खोद कर पानी निकालते हैं, जिनसे दूसरे जानवर भी पानी पीते हैं। "''

3. छात्रों के जोड़ों को अपने चित्र सभी को दिखाने दें। जरूरी हो, तो इस पर चर्चा करें। इसके बाद पाठ्य सामग्री से ज्यादा जटिल 'कारण व प्रभाव' के क्रम को आगे बढ़ाएं, जिसमें सवान्नाह के हाथियों का पेड़ व झाड़ियां खाना, इससे घास बढ़ने का मौका मिलना, घास खाने वाले जानवरों को घास मिलना व उन शाकाहारी प्राणियों को खाने वाले मांसभक्षियों की मदद शामिल है। समूह में इस संबंध के क्रम को बोर्ड पर बना कर दिखाएं। फिर 'कारण व प्रभाव' की इस श्रृंखला को एक जाल के रूप में विस्तार दें, जिसमें घास के बढ़ने के अन्य प्रभाव, घास खाने वाले जानवरों की मौजूदगी आदि बने हों।

Ik;kZoj.kh; laca/k% NkVh mez dk Nk=

1. छात्रों को हाथियों की महत्वपूर्ण भूमिका फिर से पढ़ने दें (एडवांस रीडर एडीशन)

2.नीचे दिए प्रश्न बोर्ड पर लिखें। छात्रों को इस पर जोड़ों में चर्चा करने दें।

- जैव विविधता क्या है?(जैविक विविधता–प्रजातियों, जींस व पर्यावरण में रहने वाले अन्य समुदाय)
- जंगली हाथी अपने प्राकृतिक आवास में जैव विविधता को बनाए रखने में कैसे मदद करते हैं(पेड़–पौधों के बीच में अंतराल पैदा करते हैं, जिससे नए पौधों को उगने का मौका मिलता है; गोबर के माध्यम से बीजों को फैलाते हैं, जो अंकुरित हो कर पनपने लगते हैं)
- सवान्नाह हाथी जेबरा व हिरन आदि घास चरने वाले जानवरों को कैसे प्रभावित करते हैं? वे शेर जैसे हिंसक प्राणियों को कैसे प्रभावित करते हैं? वे चिड़िया व कीट–पतंगे जैसे छोटे जानवरों को कैसे प्रभावित करते हैं? (घास के उन मैदानों को बचा कर, जहां जानवर चरते हैं और बदले में शेर जैसे मांसभक्षी जानवरों के लिए भोजन बनते हैं; पानी के गढ़े बना कर, दूसरे जानवरों के लिए पानी उपलब्ध कराते हैं।)
- अगर हाथी न रहें तो जंगल व सवान्नाह में बाकी जानवरों का क्या होगा? (पर्यावरण बदल जाएगा। जो प्रजातियां इस पर्यावरण तंत्र पर अपने मौजूदा स्वरूप में निर्भर हैं, वे नष्ट हो जाएंगी।)

3. हर समूह को एक बड़े फ्लिप चार्ट पेपर पर पर्यावरण तंत्र के आपसी रिश्ते का एक नक्शा बनाने दें, जिसमें संबंधों व संपर्कों का जाल बना हो। इसमें हाथी एक तरफ हों व दूसरे जानवर जो उनके साथ उनके ठिकानों में रहते हैं (जैसे कि ऊपर सवान्नाह के जानवरों का जिक्र है) दूसरी तरफ दिखाए गए हों। आप छात्र समूहों से एक या बाकी जानवरों के लिए इंटरनेट या अन्य स्रोतों से जानकारी लेने को कह सकते हैं।

4. एक बार जब नक्शे तैयार हो जाएं, तो समूहों को एक साथ बुला कर चर्चा करवाएं और उनसे अपने चित्र दिखाने के लिए कहें।

Tkkuojksa dk oxhZdj.k o laca/k

1. कक्षा में विचार–विमर्श कर उन जानवरों व कीड़ों–मकौड़ों की सूची बनाएं, जो अफ्रीकी सवान्नाह में हाथियों के साथ रहते हैं। इनमें से कुछ के नाम हैंः हिरन, चींटी, चीता, गुबरैले, चिंकारा, लकड़बग्घे, मीरकैट–नेवले के समान एक प्राणी, शिकारी चिड़िया, गैंडे व गिद्ध आदि।

2. छात्रों को कहें कि सूची के जानवरों को श्रेणियों में बांट लें–उदाहरण के तौर पर पर्यावरण आधारित भूमिका के लिए (उत्पादक, शाकाहारी, मांसाहारी, घास खानेवाले, मृत जानवर खाने वाले आदि) या प्राकृतिक रूपरेखा के आधार पर जैसे कि (पक्षी, कीट–पतंगे व स्तनपायी आदि)।

3. वैकल्पिकः हर छात्र को एक जानवर व उसके हाथी से संबंध पर काम करने को कहें। एक जानवर पर कई छात्र अलग–अलग काम करें। जब वे अलग–अलग जानकारी जुटा लें, तो एक जानवर पर काम करने वाले सब छात्रों को कक्षा में सबके साथ बात करने से पहले एक समूह में बैठ कर अपनी–अपनी जानकारी पर बात करने को कहें। कक्षा में इस बात की चर्चा करें कि घास के मैदानों में हाथी के जीवन के लिए जैव विविधता क्यों जरूरी है।

ckgj pyks% Ik;kZoj.k dh [kkstchu

कक्षा में सीखने के बाद छात्रों को बाहर ले जाएं, ताकि वे जंगल के प्राणियों, जैव विविधता व पर्यावरण के संबंध को करीब से देख व समझ सकें।

आईएफएडब्लू की ईको इन्वेस्टिगेशन एंड वर्कशीट आधारभूत कार्यक्षेत्र तकनीक पर आधारित है, जिसमें छात्रों का स्थानीय जैव विविधता से परिचय एक विशेष तयशुदा स्थान पर देख–पहचान कर करवाया जाता हैं, जैसे कि स्कूल का अहाता, पास का कोई पार्क, घास का मैदान या कोई आरक्षित क्षेत्र।

इनसानों की गतिविधियां जानवरों व उनके ठिकानों को कैसे प्रभावित करती है, इस अध्याय से इस बात की बेहतर समझ विकसित होगी।

v/;k; 4% fdlh foojk.k ij izfrfØ;k

सीखने का उद्देश्यः छात्र एक हाथी के बचाव के बारे में पढ़ेंगे व अपने विचार प्रकट करने के लिए विभिन्न गतिविधियों में से किसी एक को चुनेंगे। छात्र पाठ्य सामग्री को समझने, व्याख्या करने व अच्छी तरह आत्मसात करने के लिए बहुत से तरीकों को प्रयोग करेंगे।

पाठ्य सामग्री का परिचय (हर उम्र व क्षमता वाले छात्रों के लिए)

1. छात्रों से कहें कि वे वर्कशीट 2 को चुपचाप पढ़ें। छोटे या कम सक्षम बच्चों के लिए इसे जोर से पढ़ें व उन्हें पीछे दोहराने के लिए कहें।

2. यह देखने के लिए कि बच्चों ने सामग्री को ठीक से समझ लिया है, इन प्रश्नों की सहायता लेंः

हाथी खेत में थे, इससे उनके प्राकृतिक आवास के बारे में क्या पता चलता है?

क्या आप जानते हैं कि किसान हाथियों के बारे में क्या सोचते हैं?

हर शिशु हाथी की देखभाल के लिए अलग से एक रखवाला क्यों था?

रखवाले शिशु हाथियों को एक साथ घुमाने क्यों ले जाते थे?

3. पाठ्य सामग्री से छात्रों ने क्या समझा, यह जानने के लिए उन्हें वर्कशीट 2 की गतिविधियों की सूची में से खुद कोई एक चुनने दें। कम सक्षम पाठकों को कोई ऐसी गतिविधि चुनने में मदद करें, जिसे वे खुद पूरा कर सकें। उनकी गतिविधि पूरी कराने में उनकी मदद करें या उन्हें जोड़ों में काम करने दें। गतिविधि पर आगे की चर्चा नीचे दी गई है।

,d gkFkh d nf"Vdk.k l dgkuh dk fQj l fy[kA

यह निश्चित करें कि छात्र यह समझते हैं कि पाठ्य पुस्तक में जो बताया गया है वह किसी बाहर वाले का नजरिया है, जो सभी हाथियों के दृष्टिकोण को बता रहा हैः झुंड में हाथी, बच्चे, काम करने वाले आदि सभी का। फिर से लिखने के लिए छात्र को हाथी के बच्चे के नजरिए से लिखना होगा। उन्हें बताएं कि वे उसे प्रथम पुरुष की शैली में कैसे लिखेंगे। अगर वे किसी चरित्र में जा कर अपनी रचनात्मकता का प्रयोग करना चाहते हैं, तो उन्हें कहानी बदलने का अधिकार भी दें।

प्रथम पुरुष का उदाहरणः मैंने एक तेज आवाज़ सुनी और डरा हुआ सा देखता रह गया कि झुंड भाग खड़ा हुआ है। मैंने जोर से चीख कर उन्हें कहा भी कि आ कर मुझे ले जाएं, यहां गढ़े में अकेला न छोड़ें। मैंने ऊपर देखा तो पाया कि एक आदमी नीचे झांक कर मुझे देख रहा है। मैंने सोचा, मेरे साथ क्या होने जा रहा है।

लिखने के बाद समूह में चर्चा करें कि शिशु हाथी के नजरिए से लिखना कैसा लगा। छात्रों से पूछें कि इससे उन्हें हाथी की स्थिति समझने में कैसे मदद मिली।

df=e cpko dk;l dk vfHku;

छात्रों को कहानी पढ़ने दें और इसके बाद इसी तरह के बचाव कार्य की एक कहानी पर अभिनय करवाएं। आप कक्षा को दो भागों में बांट कर उन्हें अपनी तरह से कहानी तैयार करने व दूसरे की कहानी की समीक्षा करने का मौका दें। कहानी को नाटकीय बनाने के लिए उन्हें कहानी में बदलाव लाने के लिए प्रेरित करें। अगर वे चाहें तो कथावाचक का किरदार/चरित्र भी उसमें जोड़ सकते हैं। अगर समय हो तो स्क्रिप्ट लिखने या पहले विस्तार से लिख कर फिर उसे बेहतर बनाने को भी प्रेरित करें। छोटे या कम सक्षम बच्चों को एक सरल स्क्रिप्ट लिखने में मदद करें, जिस पर वे अभिनय कर सकें। गतिविधि के बाद कक्षा में चर्चा करें कि इस अनुभव से उन्हें किस तरह छूट गए जानवरों व जानवरों के बचाने वालों की स्थिति को समझने में मदद मिली। इसके अलावा एक विकल्प यह हो सकता है कि जब छात्र अभिनय न कर रहे हों, तो उन्हें समीक्षक या आलोचक की भूमिका दें। उन्हें टिप्पणियां लिखने व बाद में छोटी–छोटी समीक्षाएं लिखने को प्रेरित करें।

df=e lk{kkRdkj fy[kuk

1. छात्रों को किसी साक्षात्कार का उदाहरण दें या उन्हें उन साक्षाकार की याद दिलाएं, जो उन्होंने समाचार कार्यक्रमों में देखे होंगे, जिनमें छोटे बच्चों को होस्ट/परिचारक व रिपोर्टर/संवाददाता के रूप में दिखाया जाता है।
2. छात्रों को बचाव केंद्रों पर रखवालों के अभिनय के बारे में सोचने दें व यह भी कि वे उनसे क्या प्रश्न पूछेंगे।
हाथी का एक रखवाला। उन्हें कहें कि वे अपने प्रश्न व उत्तर रिकॉर्ड करें।
3. इसके बाद छात्र अपने साथी के साथ एक साक्षात्कार का नाटक तैयार करेगा, जिसे वे कक्षा के सामने प्रस्तुत करेंगे। इसके स्थान पर कृत्रिम ई मेल साक्षात्कार भी हो सकता है, जिसमें एक छात्र साक्षात्कार के सवाल लिखेगा व दूसरा लिख कर ही जवाब देगा। फिर पहला जवाब को स्पष्ट करने के लिए एक और सवाल पूछेगा।
4. छोटे व कम सक्षम छात्रों को सोच कर उन प्रश्नों की सूची तैयार करने में मदद करें, जो वे एक रखवाले से पूछ सकते हैं। प्रश्नों की सूची तैयार करें। तब छात्रों से कहें कि वे इन सवालों के जवाब इस तरह दें, जैसे कि वे रखवाले हों। अगर जरूरी लगे, तो छात्रों को रखवाले की भूमिका में एक जवाब दे कर भी दिखाएं।

lekpkj i= d fy, ,d y[k Cykx ;k fQj lfp= miU;kl fy[kA

उदाहरण के तौर पर छात्रों को समाचार पत्र का कोई लेख या समाचार आधारित ब्लॉग दें, जिसे वे संदर्भ के तौर पर इस्तेमाल कर सकें। उन्हें कौन/क्या, कहां, कब, क्यों और कैसे के जवाब ढूंढने के लिए जोड़ों में काम करने दें (छोटे बच्चों या कम सक्षम बच्चों को कर के दिखाएं)। बच्चों को एक कागज को पांच भागों में बांट कर हर कॉलम के ऊपर एक सवाल लिखने को कहें। प्रश्नों के जवाब देने के लिए उन्हें शिशु हाथी संबंधी पाठ्य सामग्री देखने दें। फिर उन्हें कहें कि वे एक विदेशी संवाददाता या ब्लॉगर की भूमिका करें। उन्हें समाचारपत्र के लेख या ब्लॉग के पुनर्लेखन के लिए अपने ही उत्तरों का प्रयोग करने दें।

वैकल्पिकः गतिविधि में विविधता लाने के लिए छात्रों को टेक्स्ट मैसेज के सिलसिले में समाचार प्रस्तुत करने को कह सकते हैं या इंटरनेट पर न्यूज़फीड के तौर पर, जो कि किसी खबर को प्रकाश में लाने के लिए पोस्ट की जा रही है। या उन्हें कहानी को किसी सचित्र उपन्यास के तौर पर प्रस्तुत करने को कहें। किसी भी तरह से प्रस्तुति के लिए कहें, मगर उन्हें उदाहरण दे कर समझाएं व उस शैली की विशेषताएं (जैसे कि शब्दों की सीमा आदि) भी उन्हें समझाएं।

od!'khV 2% gkFkh dk cpko

नाम. ______________________________ तिथि : ______________________

निर्देशः कहानी पढ़ें। प्रतिक्रिया देने वाली कोई गतिविधि करें।

हाथी का बचाव/मुक्ति

भारत में आधी रात को हाथियों का एक झुंड भोजन की तलाश में जंगल से निकल कर एक खेत में जा पहुंचा। हाथी खेत के किनारे एक गहरे कीचड़ भरे गढ़े के किनारे आए। तभी अचानक उनका एक छोटा बच्चा फिसल कर उस गढ़े में जा गिरा। उसने हाथ–पैर के बल गढ़े के किनारे तक आने की कोशिश की, पर वह इतनी मजबूत या बड़ी नहीं थी कि बच सकती। वह डर कर शोर मचाते हुए अपनी सहायता के लिए दूसरे हाथियों को बुलाने लगी।

उसकी मां व दूसरे हाथियों ने उसकी सहायता करने की कोशिश की, पर गढ़ा इतना गहरा था कि वे अपनी सूंड उस तक नहीं पहुंचा सके। वे उसके लिए कुछ नहीं कर सके, पर उसे तसल्ली देने के लिए उसके पास ही खड़े रहे।

सुबह किसानों ने हाथियों को अपने खेतों में खड़े पाया। उन्हें अपने खेतों से डरा कर भगाने के लिए उन्होंने लाठियां और बर्तन लिए और बर्तनों को जोर से बजाते हुए हाथियों की ओर झपटे। झुंड यह शोर सुन कर बच्चे को गढ़े में अकेला छोड़ कर भाग गया। उसी समय किसानों ने शिशु हाथी का शोर सुना। उन्होंने इसके लिए जंगल विभाग से सहायता मांगी। विभाग से कुछ लोग बुलडोजर ले कर आए, ताकि बच्चे के आसपास से कीचड़ हटा कर उसे निकाला जा सके। वह पैर फेंक–फेंक कर संघर्ष करती रही, पर आखिर जंगल विभाग के कर्मचारियों ने उसे बाहर खींच लिया। जानवरों के एक डॉक्टर ने उसकी जांच की। वह थकी, प्यासी और डरी हुई थी, पर ज्यादा घायल नहीं थी।

जंगल विभाग के कर्मचारियों ने हाथियों के झुंड व उसकी मां को ढूंढ़ने की कोशिश की, पर वे जा चुके थे। कर्मचारी जानते थे कि वह जंगल में अकेले अपने बल पर जिंदा नहीं रह पाएगी। उन्होंने उसे अपने ट्रक में लादा और असम के वन्यजीवन बचाव केंद्र पर ले गए।

बचाव केंद्र पर शिशु हाथी के साथ एक रखवाला हमेशा रहता था, ताकि उसे समय–समय पर दूध पिलाता रहे। वह सोता भी उसके निकट ही था। यहां बच्चों को एक साथ घुमाने भी ले जाया जाता था, ताकि वे जंगल में खाना व पानी की तलाश करना सीख सकें। वह शिशु हाथी दूसरे बच्चों के परिवार का हिस्सा बन गई। जब ये बच्चे बड़े हो जाएंगे, तो इन्हें वापस जंगल में छोड़ दिया जाएगा, ताकि वे किसी झुंड में शामिल हो जाएं या अपना खुद का एक झुंड बना लें।

,d xfrfof/k dk p;u djsa

- शिशु हाथी की दृष्टि से कहानी लिखें, जिसमें यह बताया गया हो कि वह क्या सोच रही थी या उसे कैसा लग रहा था।
- जानवरों के बचाव के बारे में और जानकारी एकत्र करें।
- बचाव कार्य का एक अभिनय करें।
- बचाव केंद्र के एक रखवाले से काल्पनिक साक्षात्कार करें। इस पर एक साथी के साथ काम करें।
- कक्षा के लिए एक साक्षात्कार का अभिनय करें।
- शिशु हाथी के बचाव के बारे में समाचार पत्र के लिए एक लेख या एक ब्लॉग एंट्री तैयार करें या एक सचित्र उपन्यास लिखें।

v/;k; 5 % yIrik; tkuojk dh rqyuk

सीखने का उद्देश्यः छात्र जंगल में विभिन्न प्राणियों के ऊपर मंडरा रहे खतरों का पता लगाएंगे और उनके बीच तुलना करेंगे। वे विभिन्न स्रोतों से जानकारी एकत्रित करेंगे, उसका मूल्यांकन व विश्लेषण करेंगे। अपनी इस जानकारी को वे अपने तरीके से लोगों तक पहुंचाएंगे।

जानवरों पर मंडरा रहे खतरों की तुलना (सभी उम्र/सक्षमता के छात्र)

1. छात्रों को समूहों या जोड़ों में बांटें और उन्हें हाथियों पर मंडरा रहे खतरों की सूची बनाने को कहें। इसके साथ ही छोटा सा विवरण इस बारे में हो कि हर खतरा हाथी को प्रभावित कैसे करता है व इन्हें बचाने के लिए क्या किया जा रहा है। छात्र हाथियों की विभिन्न मुश्किलों की सूची बनाने के लिए पाठ्य सामग्री से मदद ले सकते हैं। उन्हें याद दिलाएं कि वे वीडियो से मिली जानकारी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके बाद छात्रों को समूह में बैठ कर हाथियों पर मंडरा रहे खतरों पर चर्चा करने दें।

2.बोर्ड पर नीचे दिए शोध संबंधी प्रश्न लिखेंः

......(जानवर का नाम) पर सबसे महत्वपूर्ण खतरे कौन से हैं? ये खतरे जानवर को कैसे प्रभावित करते हैं? जानवर की सुरक्षा के लिए क्या किया जाना चाहिए?

लुप्तप्राय जानवरों के एक समूह का चयन करें, जिनके बारे में छात्र विस्तृत जानकारी एकत्रित करेंगे। हाथी की तरह ये जानवर भी अवैध शिकार व दूसरे खतरों का सामना कर रहे हैंः बाघ, ह्वेल, दरियाई घोड़ा, तेंदुआ, हिरन, कछुए, तिब्बती हिरण व भालू। बोर्ड पर जानवरों के नाम लिखें व तय करें कि कितने छात्र हर जानवर की जानकारी इकट्ठी करेंगे। इसके बाद जानवरों के नाम एक हैट में डाल कर छात्रों को तब तक चुनने दें, जब तक हर जानवर का चयन नहीं हो जाता।

3. छात्रों के समूहों को बताएं कि वे जानवरों के बारे में कहां से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उनसे आईएफएडब्लू व डब्लूटीआई की वेबसाइट देखने को कहें।

4. छात्रों को जानवरों की जानकारी इकट्ठी करने, नोट लेने व मौखिक प्रस्तुति तैयार करने का समय दें। उन्हें अपनी जानकारी कक्षा में चार्ट पर या नीचे दिए प्रारूप में ओवरहैड ट्रांस्पेरेंसी प्रस्तुत करने को कहें।

जानवरः.......जानवर कहां पाया जाता हैः.....

खतरे.......ये जानवर को कैसे प्रभावित करते हैं...........क्या किया जा रहा है

5. वैकल्पिकः गतिविधि में विविधता आए इसके लिए छात्रों को दिखाने (और तुलना के लिए) के लिए चार्ट बनाने को कहें, पर वे प्रस्तुति कुछ अलग तरीके से तैयार करें, जैसे कि अपने जानवरों पर मंडरा रहे खतरों की नाटकीय प्रस्तुति।

6. हर प्रस्तुति के बाद विचार–विमर्श करें कि किसी विशेष जानवर पर मंडरा रहा खतरा उन खतरों के किस तरह समान है या अलग है, जो हाथी पर मंडरा रहे हैं, साथ ही ये उन दूसरे जानवरों से कैसे संबद्ध हैं, जिनकी प्रस्तुति दूसरे छात्रों ने की है। उदाहरण के तौर पर हाथी व गैंडे दोनों पर खतरा है क्योंकि हाथी को हाथीदांत के लिए व गैंडे को उसके सींगों के कारण अवैध शिकारियों का सामना करना पड़ता है। तेंदुए, बाघ व हिरण का शिकार उनकी खाल के कारण होता है। तेंदुए कई बार गलती से इनसानी बस्ती में पहुच जाएं, तो भी डर से उन्हें मार दिया जाता है। बाघ के शरीर के अंग व भालू के पित्ताशय से निकला पित्त कई दवाइयों में इस्तेमाल होता है। प्राकृतिक आवास नष्ट होने के कारण तेंदुए, बाघ व हाथी इनसानों से टकराव की स्थिति में आते रहते हैं।

7. भारत के विभिन्न राज्यों में प्राकृतिक आवास नष्ट होने से पैदा हुए मुद्दों के बारे में छात्रों को बताएं–जैसे कि आवास न रहने से जानवर इनसानी संपर्क में आते हैं, भीड़ के गुस्से का शिकार बनते हैं, टकराव में मारे जाते हैं, उन्हें जहर दे दिया जाता है व हाथी रेलगाड़ियों की चपेट में आ जाते हैं, आदि।

8. जब छात्र विभिन्न जानवरों की समस्याओं की प्रस्तुति कर उन पर चर्चा कर लें, तो हर समूह को ऐसा चार्ट बनाने को कहें, जिसमें उनके चयन किए जानवर की समस्याओं की तुलना हाथियों की समस्या से हो। एक आंशिक उदाहरण यहां दिया गया है

खतरे	हाथी	बाघ	व्हेल
अवैध शिकार	हाथी दांत	खाल, औषधियों के लिए शरीर के अंग	
आवास नष्ट होना	मानवीय गतिविधियां हाथियों के लिए जगह कम कर देती हैं व पानी के पारंपरिक स्रोतों तक उनकी पहुंच रोक देती हैं। विखंडन से समूह अलग–अलग पड़ जाते हैं, आनुवांशिक विविधता कम हो जाती है व उनमें रोग बढ़ जाते हैं।		पानी में बहते हुए जाल में व्हेल उलझ जाती हैं व उनके प्रवास के रास्ते बंद हो जाते हैं।
इनसानों से टकराव			
पर्यावरण में बदलाव			

अध्याय 6: x'yrh fdldh g\

उद्देश्य: छात्र विचार–विमर्श व वाद–विवाद के द्वारा अपने विचार दूसरों के सामने अभिव्यक्त कर समझाएंगे। वे विभिन्न विचारों के आधार पर तर्क प्रस्तुत करेंगे, जिसमें वे विचार होंगे, जो उन्हें शोध व वाद–विवाद के जरिए मिले हैं,

1. पाठ्य सामग्री के अनुभाग 'हाथियों की मुश्किलें'' से सीआईटीईएस की परिभाषा का प्रयोग करते हुए कक्षा को इसकी भूमिका के बारे में बताएं। इस पर विचार करें कि सीआईटीईएस के निर्णय ने हाथियों को कैसे प्रभावित किया है। 'अवैध शिकार' व 'स्टॉकपाइलिंग' जैसी शब्दावली पर भी प्रकाश डालें। अवैध व वैध हाथीदांत की अवधारणा पर भी चर्चा करें। आप कक्षा को हाथी व पर्यावरण में उनके महत्व पर पहले पढ़े गए अध्यायों के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर बात करने के लिए कह सकते हैं।
2. हैंड आउट वर्कशीट 3: समाचार पत्र के लिए कल्पित लेख: हाथी का शिकारी कुसूरवार माना गया। छात्रों को इन्हें खुद पढ़ने दें या पूरी कक्षा के साथ जोर से पढ़ें।
3. छात्रों से पाठ्य सामग्री पर उनके विचार व प्रतिक्रियाएं लें। आप नीचे दिए कुछ प्रश्नों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

- हाथियों को हाथीदांत के लिए मार दिया जाता है, यह जान कर उन्हें कैसा लगता है?
- क्या वे कल्पना कर सकते हैं कि उनके बच्चों का क्या होता होगा?
- वचीरू के बारे में उनके क्या विचार हैं? वे उसके बारे में क्या जानते हैं?
- जो उसने किया, उसके बारे में उन्हें कैसा लगता है?

4. कक्षा को छोटे समूहों में बांट दें। नीचे दिए चार्ट के अनुसार हर समूह को एक भूमिका दे दें, ताकि वे अभिनय की सामूहिक गतिविधि: किसे दोष दिया जाए?/ ग़लती किसकी है? की तैयारी कर सकें।

5.हर समूह को कुछ समय जानकारी एकत्र करने के लिए और/ या अभिनय के लिए दिए गए कार्ड के पात्रों के जीवन की कल्पना करने को कहें।

6.हर समूह को कक्षा में एक मौखिक प्रस्तुति करने के लिए कहें कि उनकी भूमिका के लिए हाथीदांत क्यों इतना जरूरी है और क्यों हाथी को मारने की इजाजत होनी चाहिए?

7.अभिनय के बाद कक्षा को कहें कि वे निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार करें:

हाथीदांत के कारोबार के लिए कौन जिम्मेदार है?

वचीरू का क्या होना चाहिए?

सीआईटीईएस को हाथीदांत के कारोबार के लिए क्या करना चाहिए?

8. कक्षा को कहें कि वे हाथियों को बचाने व हाथीदांत के कारोबार को रोकने के लिए अपनी तरफ से कोई हल सुझाएं।

vfHku;	fooj.k
सरकारी मंत्री	मंत्री अपने यहां के हाथीदांत के भंडार को बेचना चाहता है, ताकि अतिरिक्त धन कमाया जा सके।
वन्य जीव–जंतुओं का स्थानीय कारोबारी	कारोबारी अवैध शिकारियों से हाथीदांत खरीद कर शहर के व्यापारियों को बेचना चाहता है, ताकि अपने परिवार के गुजर–बसर के लिए पैसा कमा सके।
हाथीदांत का चीनी कारीगर	कारीगर अपने परिवार की सदियों से चली आ रही कलाशिल्प की परंपरा को जारी रखना चाहता है, ताकि दुनिया भर में हाथीदांत के गहने बेच कर धन कमा सके।
अवैध शिकारी	अवैध शिकारी हाथी को मार कर उसके दांत बेचता है, ताकि अपने परिवार का पेट भर सके व अपने बच्चों के स्कूल भेज सके।
लंदन में हाथीदांत की एक ध ानी संग्रहकर्ता	वह हाथीदांत पर हाथ से की गई नक्काशी वाले गहनों के लिए दुनिया भर की नीलामियों में भाग लेती है–वह समझती है कि यह नक्काशी अपने आप में एक कला है। गहनों को वह निवेश मानती है।
महासचिव (सीआईटीईएस का प्रमुख)	उसे कुछ ऐसे अफ्रीकी देश अपने पक्ष में करना चाह रहे हैं, जो अपने यहां के हाथीदांत के भंडार बेचना चाहते हैं। माना जाता है कि वह निष्पक्ष रहेगा।

आईएफएडब्लू–डब्लूटीआई का एनिमल एक्शन एजुकेशन प्रोग्राम/ वन्यजीव कार्यान्वयन शिक्षण कार्यक्रम आपके प्राथमिक व माध्यमिक कक्षा के छात्रों की सहायता के लिए विभिन्न शिक्षण दिशानिर्देश, प्रशिक्षण व अन्य सामग्री जुटाता है, ताकि वे वन्यजीवों व हमारे साझे पर्यावरण के बारे में जानकारी व समझ हासिल करते हुए विज्ञान, नागरिक शास्त्र, भूगोल, भाषा व कला की अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

cku Vi ch okbYM — सेविंग द मैजेस्टिक टाइगर
vMj ou Ldkbl — व्हाय एनिमल्स मैटर
fcuhFk n okVj — प्रोटेक्टिंग द मरीन एनवायरमेंट
Vi n jLD; — इमरजेंसी रिलीफ फॉर एनिमल्स
Mking lve — फॉर सील्स

डेली द न्यूज़

आई एफ डब्लू प्रकाशन सितम्बर 2011

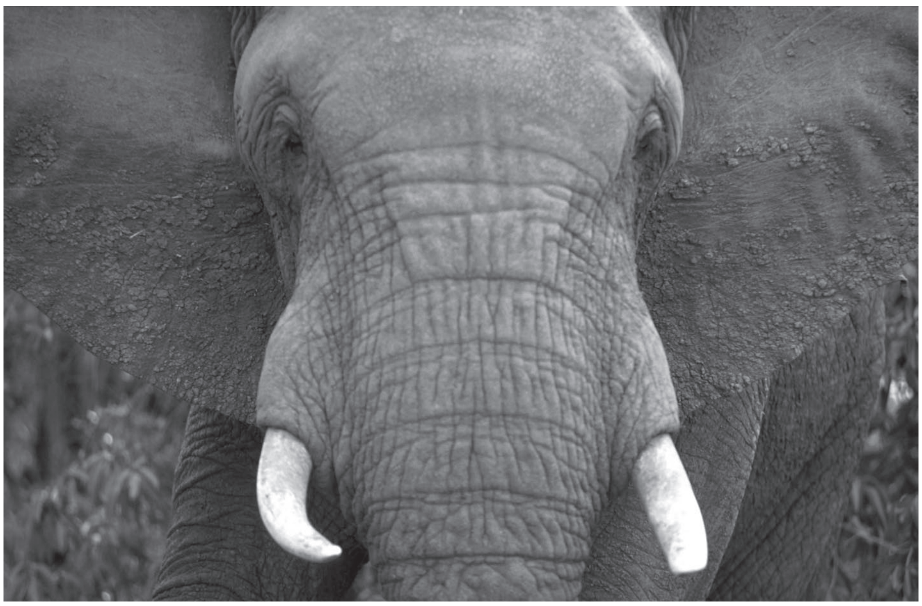

© IFAW/R. Sobol

हाथियों का अवैध शिकार करने वाला मुजरिम करार दिया गया

एक 23 वर्षीय व्यक्ति को आज जावेरी जिला अदालत में पेश किया गया, जिस पर वन्य जीवन प्राधिकरण ने आरोप लगाया है कि वह एक मृत मादा हाथी के दांत काटता पकड़ा गया, जबकि उसका शिशु दुख व व्यथा से इधर से उधर भाग रहा था।

अधिकारी फरिकी कमाउ ने अदालत को बताया कि बेरोजगार व तीन बच्चों के पिता अभियुक्त अजुमा वचीरू ने इससे पहले वन्यजीवन के एक अंडरकवर अधिकारी को हाथीदांत बेचने का प्रस्ताव रखा था।

वचीरू–जिसे अपराधी पाया गया–पर इस देश के वन्यजीवन अधिनियम के तहत एक लुप्तप्राय प्रजाति के प्राणी को मारने और हाथीदांत के अवैध कारोबार का आरोप लगाया गया है।

अधिकारी कमाउ ने बताया कि यह हाथी हाथीदांत के अवैध कारोबार के चलते जोगू नेशनल पार्क/अभयारण्य में प्रति वर्ष मारे जाने वाले 60 से ज्यादा हाथियों में से एक था।

उन्होने कहा कि अजुमा वचीरू जैसे स्थानीय लोग हाथियों को मार कर गैर कानूनी ढंग से हाथीदांत का कारोबार कर पैसा कमाने की कोशिश कर रहे

© R. van Aarde

दक्षिण–पूर्व अफ्रीका के एक बाजार में बिक्री के लिए रखी हाथीदांत की नक्काशी व गहने

हैं। इसका कारण कंवेंशन ऑन इंटरनेशनल ट्रेड इन एनडेंजर्ड स्पीशीज़/लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतराष्ट्रीय कारोबार पर सम्मेलन(सीआईटीईएस) का 2008 का वह फैसला भी हो सकता है, जिसके कारण पूर्व के देशों में हाथीदांत की मांग को प्रोत्साहन मिला है।

उन्होंने यह भी बताया कि इस फैसले में उन देशों को हाथीदांत बेचने की अनुमति दी गई थी जिनके पास इसका भंडार है।

क्योंकि किसी भी तरीके से यह नहीं बताया जा सकता कि हाथीदांत का कौन सा भंडार वैध है व कौन सा अवैध रूप से हाथी को मार कर हासिल किया गया है, इससे अवैध शिकारियों को पता चल

> ' यह हाथी हाथीदांत के अवैध कारोबार के चलते जोगू नेशनल पार्क/अभयारण्य में प्रति वर्ष मारे जाने वाले 60 से ज्यादा हाथियों में से एक था।' फरिकी कमाउ
>
> दक्षिण–पूर्व अफ्रीका के एक बाजार में बिक्री के लिए रखी हाथीदांत की नक्काशी व गहने

गया है कि निःशंक ग्राहकों से पैसा कमाने का यह अच्छा मौका है।

हाथियों के संरक्षण के लिए वन्यजीवन प्राधिकरण के साथ काम कर रहे आईएफएडब्लू के एक विशेषज्ञ का कहना है कि हाथीदांत के अवैध कारोबार के कारण जोगू अभयारण्य की हाथियों की जनसंख्या पर गहरा खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने बताया कि हाथियों पर इस खतरे के कारण पूरे इलाके व यहां की आबादी की स्थिति गंभीर है। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में हाथी सैलानियों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र हैं, जो स्थानीय समुदाय की आय का बड़ा हिस्सा है। हाथियों के बिना यहां के लोगों की स्थिति और भी खराब होगी।

वचीरू के वकील थिओंगो ओडिंगा ने बताया कि वचीरू की भीषण गरीबी ने उसे हाथी को मारने व हाथीदांत बेचने को उकसाया। उन्होंने कहा कि "हाथी को मारना बेशक गलत है, मगर वह वास्तव में अभावग्रस्त है और अपने परिवार की गुजर–बसर नहीं कर पा रहा है।

जोवारी जिले में ज्यादातर लोग 84 शिलिंग प्रतिदिन पर जी रहे हैं–एक डॉलर प्रतिदिन से भी कम–और गुजारे के लिए अपने आसपास जो भी कुछ प्राकृतिक तौर पर उपलब्ध है, उसी पर निर्भर हैं। एक समय के भोजन या बच्चों को स्कूल भेजने के लिए कई बार अगर वे कानून तोड़ते हैं, तो कोई आश्चर्य नहीं है।

वचीरू को आरोपों का अपराधी पाया गया। उसे कल सजा सुनाई जाएगी। उसे ज्यादा से ज्यादा 6 माह की सजा व 500 से 2000 शिलिंग के बीच जुरमाना हो सकता है।(6–23 अमेरिकी डॉलर)